

I

मीले लाक्युकाभयेनमः॥ ॐ ह्यसनेउयविष्णु॥ ॥ नंदोर्णीकुं वउ कयासंविधाय॥ ॥ नमोभाने॥ क
षींजिनांगविश्वितयन्नासनाय सोम्यातनीमूर्ति सोम्यविमालादिने॥ कूटामथानिद्विजुजावनदाहयजस्य
नित्यंनमामिगुर्वधाममसहकन॥ स्वमित्रसिंहसुदलयधंस्वगुर्वधाय॥ ॥ गुर्वसुदयवपूर्यधाय॥
॥ मानमेवयवो॥ संयुक्त॥ ॥ नंदोर्णीलंयथीतत्वंगर्भं समर्थयामि॥ कनिष्ठीगुष्टो॥ १॥ ३वंश्रायतत्वंयथीसमर्थ
यामि॥ ॥ मूर्धनिकागुष्टो॥ २॥ ३वंतजस्तत्वंधूर्यसमर्थयामि॥ ॥ मध्वमीगुष्टो॥ ३॥ ३यंवायुतत्वंदीयं समर्थया
मि॥ ॥ श्रुनामिकागुष्टो॥ ४॥ ३श्राकागंतत्वंनेवयंकल्ययामि॥ ॥ सहागुलो॥ ५॥ ॥ वराहयमर्द्धादर्थयता॥ न
मिजियथार्किकंजपू॥ ॥ नत॥ मित्रसिंहकथादिवर्कध्यात्वा॥ नदुखायांश्रुकादिस्त्रव॥ ७॥ ॥ श्रुगकागदिव
मार्का॥ ककादिवाउ॥ १॥ ३वामकागदिवद्वाकंथकादिश्रुन॥ ७॥ ३ददकागदिवद्वाकं॥ नदनीददवर्क
॥ नकगुक्तवर्कध्याय॥ काटिसूर्ययुतीकागं चतुकाटिसुगीतर्ल॥ यवाकसुमवधुश॥ नादविन्दुसमन्विता
॥ गिध्यात्वायुजय॥ नंदोर्णीस्वगुर्वश्रमकानन्दनाथयगीयादूकांषजयामिनमः॥ ॥ स्तुता॥ ३॥ नमः॥ ३॥ गु

[illegible]

[illegible]

तस्मात्तानाह ॐ शिववाहयदक्षिणा ॥ वामपुष्पकारयश्च ॥ आभारं विमधुलं ॥ जलाउल्लिख ॥ नैऋतौ कौंक्षौ ॥
॥ ननश्रुत्वा ननगतजया ॥ १०८ ॥ ॥ यथाविधितर्पणी ॥ ॐ सर्वस्यामर्कस्य ॥ स्वाहा ॥ ॐ सर्वस्यादवस्यादवतायान
मगा सर्वस्यामर्कस्य ॥ ॐ सर्वस्यामानुषस्यावोषट् ॥ ॐ सर्वस्यारुतस्यावषट् ॥ ॐ सर्वस्याविहस्यावषट् ॥
मयगीमर्कस्य ॥ ॐ सर्वस्यामर्कस्य ॥ ॐ सर्वस्यामर्कस्य ॥ ॐ सर्वस्यामर्कस्य ॥ ॐ सर्वस्यामर्कस्य ॥
नीधीमहि ॥ ननः कूटियचादया ॥ १०८ ॥ विसर्जनी ॥ गच्छ ॥ शयनी ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥
वैश्वदेव ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥
नगतादवी ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥
ननः कूटियचादया ॥ १०८ ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥
हिंमुलायमविगुहा ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥
कौंक्षौ ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥ ॐ नित्यात ॥

सं० ॥ ॥ चतुर्थसं० ॥ अष्टवारं धूम्रवृत्तं ॥ सर्वप्रवृत्तं ॥ ॥ न० ॥ नकावतलरुवाद्यां जटायकायवीतकी। दंसयदा
सनादवी। चतुर्वक्त्राचतुर्भुजा ॥ ध्रुवाकमालिकादक्षवामदधुकमधुलूगग्राममधुलध्वायर्थं धूम्रवृत्ताविश
वयम् ॥ ॥ जं जां जीं ह्रीं क्लीं जीं जां ॥ मयरी ॥ ॥ जं मलामालिनीविघ्नदक्षिणकामग्वनीधामदि। तन्त्र० कोलिनिय
वादयान् ॥ ॥ निसं० वदनसमायका ॥ ॥ ॥ सूर्यार्घ्यं ॥ आदित्यं च गिर्वविद्यां चिवमादित्यवृत्तिर्दी। उग्रयानेन
वैनास्ति आदित्यस्य गिवस्य च ॥ स० लूर्यं नकलूर्यं कृजं ग्राहवरातनं। दीक्षित० स० अयादीनं नदीकाधर्म
रुल्लं लूर्यं ॥ ॥ निसं० कालसं० ॥ ॥ अथपार्थिवलिङ्गयूजनी ॥ हवामदं ग्वरं ग्वेव धूलयापीयिनाकध
कायधुयनि० गिवस्येव मलदं वविसूजनी ॥ ॥ ॐ ह्रीं हवामयनम० ॥ निसं० मृत्तिकाद्वरणी ॥ ॐ ह्रीं मदं ग्वमायन
म० ॥ ॥ निसं० लिङ्गयूजनी ॥ ननायास० ह्रीं ददयायनम० ॥ ह्रीं गिवसं स्वाहा ॥ ह्रीं गिखायेवोषड् ॥ ह्रीं कववायदू
॥ ह्रीं नरुगयायवषट् ॥ ह० अस्माय रुद्र ॥ गहिनं वकवन्मासं कृत्वा ॥ ॥ ॥ ध्यायन्निर्लीमदं हीवज्जगतिविनि
रंवावृत्तं वावर्गं संप्रलाकल्याकलाजं यत्र धुमृगवराहीति रुद्रं यस्मात् ॥ यदासीनं समन्तात्सुतममवगोले

ॐ

ब्रीहिकृतिं वसाने विष्मयं विष्मयं निश्चिन्तय हरीयं च वक्तुं नित्यं ॥ ॐ तिष्ठा स्वायुजने ॥ ॥ ॐ ह्रीं मूलपादय
नमः ॥ ॐ तिष्ठापने ॥ ॐ ह्रीं चिनाकधृक् ॐ दागच्छ ॐ हतिष्ठत्यावाहने ॥ ॐ ह्रीं यद्युपगतये नमः ॥ ॐ ह्रीं यद्युपगतये नमः ॥ ॐ ह्रीं
॥ निवाय नमः ॥ मंधयूषा कृतधूय दोयेने वयानं ॥ तताः ॥ ॐ मूर्तिपूजने ॥ लं सर्वयक्तिमूर्तये नमः ॥ ॐ वंर
वायुजलमूर्तये नमः ॥ ॐ वंरूपायामि मूर्तये नमः ॥ ॐ यं उग्रयवायुमूर्तये नमः ॥ ॐ ह्रीं हीमायाका मूर्तये न
मः ॥ ॐ ह्रीं यद्युपगतये यजमानमूर्तये नमः ॥ ॐ संमदादवायसाममूर्तये नमः ॥ ॐ ह्रीं ॐ श्रीगणेशसूर्यमूर्तये
नमः ॥ ॐ तिस्सयय ॥ निवर्यं चाकृतं यथा मकिज्जित्वा ॥ १० ॥ ॥ ॐ नमः निवाय ॥ यीर्यया धविणीजल
धनकलमं लिंगमाकाशत्रयं नक्षत्रं ॥ यथा माला गृहगणकसमं नगवत्तार्कवद्विभक्तं ॥ यथा सप्तमूला रुज्जि
विनिश्चिता सफया तालपादौ वदन्त्येवात्र वाचादहादिगवदना यातुमीदिव्या लिंगभा ॐ तियति त्रयदक्षिण
नमस्तोत्रं ॥ यत्रिभाषा ॥ मुखवायं वादय ॥ ॐ मदादवाय नमः ॥ कृतमखं निविष्टं य ॥ निम्नास्थापूजने ॥ वा
धमावधचष्टीग नन्दीरंगी मृजदयध पार्वती गयसादन सर्वगृहानुष्मन्तवाशानीलकण्ठयदाकृतयत्रि

[illegible]

लयनासनायनमः॥ ॥ श्री ॥ ध्वजनाम्ना नूहानूटं जडिमीकसूत्रयहं । स्कन्दकमहागंजं मधुलालयमध्व
गं॥ सफाग्वर्गसिद्धिर्नंदवः सनावाकु कनद्वयं । चकार्यचिन्तयज्ञानं दिगुर्जत्रकवासर्गं॥ शुभलि॥ उं हूं खं रं वा
स्वायसूर्यसूर्येनमः॥ उं कां कीं स॥ श्रीसूर्यायनाक्षीदेवी सहितायनमः॥ आवाहनादि । चन्दनाक्षत्रयूथेन
मः॥ ॥ गायत्री॥ उं उगुं जयविभक्तं महाभारतं धर्मयधीमहि । ननःसूर्यः यवा दद्यात्॥ उं हं हानवः नंदनेव
यंनमः॥ ॥ गणवतवयूज॥ म॥ ध्वजदलं॥ कां श्रीदित्यायनमः॥ कां हस्तेनायनमः॥ कां सूर्यायनमः॥
कां श्रीकृष्णायनमः॥ कां हानवः॥ कां दिवाकनाय॥ कां सूर्यवर्णनं॥ कां सूर्यायनमः॥ ७॥ ॥ गणवत
॥ कां कामदायनमः॥ कां भारुदायनमः॥ कां सिद्धिदाय॥ कां हागदाय॥ कां नंजदाय॥ कां मुक्तिदा
य॥ कां मनुदाय॥ कां धर्मदाय॥ यनदोदधदलं॥ कां सूर्यायनमः॥ कां स्वगनन्दाय॥ कां प्रसाय॥
कां गणेशिन॥ कां हिनः॥ कां गिरिहाय॥ कां यतनाय॥ कां सविर्नमः॥ कां नव॥ कां लाकसाक्षि
नमः॥ कां जगन्नाथनमः॥ कां श्रीदित्यायनमः॥ ॥ कुरु नमः॥ नां श्रीगनयनमः॥ कां नैरायनमः॥ यां वाय

वंश॥ ह्रीं॥ शानाय॥ २॥ ४॥ ॥ वावं॥ लो॥ न्द्राय॥ नमः॥ सोम॥ माय॥ नमः॥ वां॥ व॥ न॥ दाय॥ नमः॥ सां॥ व॥ स॥ नाय॥ नमः॥
५॥ ॥ मूल॥ नमः॥ ॥ ॥ उर्व॥ व॥ लि॥ ॥ आ॥ वा॥ रु॥ ना॥ दि॥ ॥ य॥ द॥ म॥ द्वा॥ द॥ र्ज॥ य॥ ॥ ध॥ य॥ दी॥ घ॥ ने॥ व॥ ॥ म॥ धु॥ ल॥ जा॥ य॥ ॥ उं॥ ह्रीं॥
कीं॥ स॥ ॥ स्वा॥ दा॥ ॥ १०॥ ॥ स्तु॥ ॥ सो॥ ना॥ स॥ मा॥ दि॥ त॥ स॥ स्वा॥ र्थ॥ रू॥ ले॥ श्य॥ दा॥ ज॥ या॥ दृ॥ श्य॥ न॥ म॥ नि॥ व॥ ने॥ ॥ य॥ व॥ वी॥ ति॥ ना॥ र्थ॥ ॥ सा॥ न॥ नू॥ या॥
द॥ क॥ म॥ ला॥ च॥ न॥ चि॥ नि॥ का॥ नी॥ र्थ॥ सां॥ स॥ दे॥ व॥ ऊ॥ न॥ र्थ॥ स॥ रू॥ लं॥ द॥ दा॥ ति॥ ॥ अ॥ गु॥ ग॥ धा॥ दि॥ ॥ न॥ ति॥ ह॥ र्था॥ दि॥ वि॥ धि॥ ॥ ॥ अ॥ थ॥ क॥
म॥ वा॥ च॥ ने॥ ॥ न्या॥ स॥ ॥ उं॥ ह्रीं॥ स॥ ॥ य॥ ना॥ य॥ न॥ स्व॥ नू॥ या॥ य॥ दृ॥ द॥ या॥ य॥ न॥ म॥ ॥ उं॥ ह्रीं॥ स॥ ॥ म॥ दा॥ व॥ ल॥ य॥ वा॥ कु॥ मा॥ य॥ नि॥ व॥ स॥ स्वा॥ दा॥ ॥
उं॥ ह्रीं॥ स॥ ॥ न॥ मा॥ ना॥ ना॥ य॥ म॥ य॥ स॥ द्वि॥ सि॥ द्वि॥ य॥ दा॥ यि॥ न॥ नि॥ षा॥ ये॥ व॥ षट्॥ ॥ उं॥ ह्रीं॥ स॥ ॥ वि॥ षू॥ वं॥ अ॥ दु॥ ला॥ नि॥ र्जि॥ न॥ स॥ म॥ या॥ य॥ दि॥ ॥
व॥ ना॥ नि॥ न॥ क॥ व॥ वा॥ य॥ दू॥ ॥ उं॥ ह्रीं॥ स॥ ॥ स्वा॥ दा॥ स्वा॥ की॥ य॥ मा॥ दा॥ न॥ च॥ का॥ न॥ र्ध॥ स॥ ना॥ य॥ न॥ गु॥ या॥ य॥ वो॥ षट्॥ ॥ उं॥ ह्रीं॥ स॥ ॥ दे॥ न॥ दी॥ क॥
य॥ अ॥ म्ना॥ य॥ रू॥ ॥ ॥ उ॥ व॥ म॥ द॥ न्या॥ स॥ ॥ ॥ अ॥ र्ध॥ या॥ न॥ यू॥ जा॥ ध॥ न॥ स॥ द॥ या॥ त्स॥ यू॥ जा॥ ॥ व॥ का॥ दा॥ व॥ ॥ द॥ ग॥ य॥ र्ज॥ न॥ थ॥ म॥ ॥ अ॥
दृ॥ य॥ र्ज॥ न॥ त॥ य॥ वी॥ द्वा॥ द॥ ग॥ द॥ ल॥ स॥ यू॥ क॥ य॥ ग॥ म॥ व॥ द॥ दा॥ व॥ क॥ ॥ आ॥ स॥ न॥ ॥ आ॥ ध॥ न॥ ग॥ क॥ स्वा॥ दि॥ ॥ उं॥ ह्रीं॥ ग॥ कू॥ ता॥ स॥ ना॥ य॥ न॥
म॥ ॥ ह्रीं॥ वे॥ न॥ न॥ या॥ य॥ न॥ म॥ ॥ उं॥ ह्रीं॥ ख॥ न॥ य॥ ना॥ य॥ न॥ म॥ ॥ उं॥ ह्रीं॥ ना॥ ग॥ न॥ का॥ य॥ न॥ म॥ ॥ उं॥ ह्रीं॥ स॥ व॥ धू॥ य॥ न॥ म॥ ॥ उं॥ ह्रीं॥ वि॥ षू॥ न॥

۶۳

धायनमः॥ ॥ ध्यानी ॥ यथा ध्यायन्मनुजं गन्तव्यं स गमिनी ॥ सर्वत्र नमो साहाय्यं यत्तु वक्तुं न शक्यं ॥ दक्षिण
ध्यायन्मनुजं गन्तव्यं स गमिनी ॥ उक्तं कर्म गोविन्दं यत्तु वक्तुं न शक्यं ॥ उक्तं कर्म गोविन्दं यत्तु वक्तुं न शक्यं ॥
नमो नमो ॥ अरुचकु गदायन्मनुजं गन्तव्यं स गमिनी ॥ निगूलेयसु कर्म गोविन्दं ॥ सुधावदसध्वजं ॥ वामानुक्ता जया
दवी ॥ वददाह्यया गिनी ॥ सर्वत्र नमो साहाय्यं यत्तु वक्तुं न शक्यं ॥ गन्तुं न शक्यं ॥ नागदाहा कुमासन
॥ अरुचकु गदायन्मनुजं गन्तव्यं स गमिनी ॥ उक्तं कर्म गोविन्दं यत्तु वक्तुं न शक्यं ॥ उक्तं कर्म गोविन्दं यत्तु वक्तुं न शक्यं ॥
नायकमदध्वजं ॥ सर्वत्र नमो साहाय्यं यत्तु वक्तुं न शक्यं ॥ उक्तं कर्म गोविन्दं यत्तु वक्तुं न शक्यं ॥ उक्तं कर्म गोविन्दं यत्तु वक्तुं न शक्यं ॥
यविष्णुत्मनो ज्ञात्वा ॥ ३ ॥ उक्तं कर्म गोविन्दं यत्तु वक्तुं न शक्यं ॥ उक्तं कर्म गोविन्दं यत्तु वक्तुं न शक्यं ॥ उक्तं कर्म गोविन्दं यत्तु वक्तुं न शक्यं ॥
उक्तं कर्म गोविन्दं यत्तु वक्तुं न शक्यं ॥ उक्तं कर्म गोविन्दं यत्तु वक्तुं न शक्यं ॥ उक्तं कर्म गोविन्दं यत्तु वक्तुं न शक्यं ॥ उक्तं कर्म गोविन्दं यत्तु वक्तुं न शक्यं ॥
दि ॥ नमो विष्णुभ्यो नमो ॥ निवारं संयुक्तं ॥ नमो आनन्दनयक ॥ दक्षिण ॥ उक्तं कर्म गोविन्दं यत्तु वक्तुं न शक्यं ॥ उक्तं कर्म गोविन्दं यत्तु वक्तुं न शक्यं ॥
उक्तं कर्म गोविन्दं यत्तु वक्तुं न शक्यं ॥ उक्तं कर्म गोविन्दं यत्तु वक्तुं न शक्यं ॥ उक्तं कर्म गोविन्दं यत्तु वक्तुं न शक्यं ॥ उक्तं कर्म गोविन्दं यत्तु वक्तुं न शक्यं ॥

मायनमः॥ॐंकीसःवलरुदायः॥ॐंकीसःकृष्णायः॥ॐंकीसःवृद्धायः॥ॐंकीसःकल्किननमः॥युवादिक्म
॥१०॥ममायुष्यं॥ॐंकीजयादयो नमः॥ॐंकीविजयादयो नमः॥ॐंकीश्रुतिगादयो॥ॐंकीश्रुयवाजिगादयो॥ॐंकी
दयो॥ॐंकीनिष्ठादयो॥ॐंकीक्रियादयो॥ॐंकीविद्यादयो नमः॥युवादि॥७॥दादृष्टकमलं॥ॐंकीकमवाय
वृक्षमूर्त्यनमः॥ॐंकीनारायणायविष्णुमूर्त्य॥ॐंकीमाधवाय॥ॐंकीशिवमूर्त्य॥ॐंकीगोविन्दायदिगि
मूर्त्य॥ॐंकीविष्णुवृक्षमूर्त्य॥ॐंकीमधुसूदनायवायूमूर्त्य॥ॐंकीशिविकुमायजलमूर्त्य॥
ॐंकीवामनायसुलमूर्त्य॥ॐंकीधीधरायगिरिमूर्त्य॥ॐंकीदक्षीकर्मणयचन्द्रमूर्त्य॥ॐंकीयम
नारायणमूर्त्य॥ॐंकीदामादनायागिरिमूर्त्य॥ॐंकीयन्धारुमायवृक्षमूर्त्य॥१२॥॥वसुधै
वशां गमयतयनमः॥गुंयुवयनमः॥द्वंद्वययानाय॥ॐंकीरुद्रयालायनमः॥॥श्रुत्यादि॥ॐंकीनानां॥
४॥॥दाय॥ॐंकीजयायनमः॥ॐंकीविजयायनमः॥युवा॥युवाय॥युवयुवाय॥दक्षि॥ॐंकी॥ॐंकी॥विष्णु
२॥यधिम॥रुदाय॥सुरुदाय॥उरु॥७॥॥श्रुवा॥धनम॥धूयदीयनेव॥मधुलजय॥ॐं

[illegible]

हौं नूद नूय हूँ श्री सदा निवाय नमः ३ ॥ उँ हौं हौं हूँ हौं हूँ हौं हूँ श्री सदा निवाय नमः आवाहनादि ॥ मउं ग ॥ न
न्दनाहूतयूय नमः ३ ॥ उँ हौं हौं हूँ हौं हूँ हौं हूँ श्री सदा निवाय नमः दं ने वर्य वलिं गृह २ स्वाहा ॥ मयगी ॥ उँ गिव
नूयाय विद्महः सदा निवाय धीमहि । तन्नानूद नूय यादयात् ॥ गिवान २ ॥ नृणाव नमः ॥ यं वका ॥ मय ॥ उँ ह्रीं गः
नाय नमः ३ ॥ नूय नूय २ ॥ उँ नूय नूय २ ॥ उँ वामद वाय २ ॥ उँ स्यातामाय २ ॥ ५ ॥ नदहि ॥ उँ हौं ददयद वाय
२ ॥ उँ हौं निनाद वाय २ ॥ उँ हूँ निखाद वाय २ ॥ उँ हूँ कव वद वाय २ ॥ उँ हौं नूद वाय २ ॥ उँ हूँ नूद वाय २ ॥
॥ नूय नमः ३ ॥ ॥ वसुदल ॥ उँ हूँ नमः ३ ॥ उँ हूँ नमः ३ ॥ उँ हूँ नमः ३ ॥ उँ हूँ नमः ३ ॥
उग्र नमः ३ ॥ उँ ह्रीं नमः ३ ॥ उँ ह्रीं नमः ३ ॥ उँ ह्रीं नमः ३ ॥ ६ ॥ नूद नमः ३ ॥ उँ नूद नमः ३ ॥ उँ नूद
नमः ३ ॥ उँ निवाह नमः ३ ॥ उँ नमः ३ ॥ उँ नमः ३ ॥ उँ नमः ३ ॥ उँ नमः ३ ॥
उँ निखली नमः ३ ॥ ॥ नमः ३ ॥ उँ नमः ३ ॥ उँ नमः ३ ॥ उँ नमः ३ ॥ उँ नमः ३ ॥
नमः ३ ॥ उँ नमः ३ ॥ उँ नमः ३ ॥ उँ नमः ३ ॥ उँ नमः ३ ॥ उँ नमः ३ ॥

[illegible]

ईवने॥ दधनीं हं मरुवांगी॥ ध्वतामन विरु विधी॥ अमृती गीयने दधं॥ आय त्याय य म म कं॥ ॐ नि आ त्वा यू ज य त्
॥ गु अ लि॥ ॐ हं स ४ धी मृ ह्य ऊ या य अ मृ ती ग म दा रे न वा य म दा ल स्त्री ग कि स हि ना य स दा गि वा य न म म ॥ ३
॥ आ वा रु ना दि॥ ष उं ग मा वा य॥ च न ना दि वि गू ल म र्वा य द धा॥ ॐ हं स ४ मृ ह्य ऊ या य ॐ द ने व य व लि गृ द्ना २ वा
दा॥ ॥ म म य गी॥ ॐ मृ ह्य ऊ या य वि द्ना हं अ मृ ती ग म य मी म हि॥ न ना वू द्ध य वा द या त्॥ ३॥ आ व न व यू र्जा व
श्रु त्॥ यं वा न वू॥ ॐ मृ ह्य ऊ या य न म म ॥ ॐ वा म द वा य श ॐ अ धा वा य श ॐ न त्पू नू म य श ॐ ॐ नी म ना य न म म ॥
प म्पि मा दि या द दि॥ ध न॥ ॐ हं स ४ ॐ वा दि ष उं ह न वृ ह्॥ यु थ मा व न वी॥ ॐ कि नि मू र्त्त य न म म ॐ ऊ ल मू र्त्त य न
म म ॐ व द्नि मू र्त्त य श ॐ वा य मू र्त्त य श ॐ आ का म मू र्त्त य श ॐ य ज मा न मू र्त्त य श ॐ व नु मू र्त्त य श ॐ सूर्य मू
र्त्त य न म म ॥ यू वा दि षा द दि॥ ध न॥ ७॥ दि ती या व न वी॥ ॐ म दा द वा य न म म ॐ म हं ध वा य श ॐ मी क वा य श ॐ
वृ ष ध जा य श ॐ कृ ति वा स न म म ॐ का मां ग द रु ना य न म म ॐ द व म य न म म ॐ नी ल क ष्म य न म म ॐ ॐ
ध वा य श ॐ वा र्वा नी म य श ॐ नू द्वा य श ॐ नि वा य श ॥ यू वा दि कु म म ॥ हृ ती या व न वी॥ ॐ न न्दी ध वा य श ॐ म दा

[illegible]

नकुवर्धनः यस्मिन्मयीतमनिर्ल। उद्धृष्टिकर्तृकाशी यत्रवर्कमदध्वनी ॥ कथं दीवालवन्द्यं ॥ ध्वनास्त्रिद्वान
 हविर्ग। मूलं दमययदीव। किंमालवददि। ॥ यागारयवनेव जीवीखद्वीगवामका। मदातं आमदभने सर्व
 सिद्धि कर्तयत्री ॥ सर्वयाययममने गिखासुन्दरसेवरी। सर्वश्रयमदादवं सर्वकामार्थसिद्धय ॥ ॥ ॐ गिधानी ॥
 गुणलिङ्गा उं जां अद्यावकां थधानां धावतवदूँ सर्वगः सर्वसर्वदूँ सर्वकोन्दनयद्रुक्षी सिखासु
 चन्दरं नवायधी सदा गिवायनमः ॥ आवाहनादिचन्दनाकृतयूष्यनमः ॥ उं जां अद्यावग्यनाय नन्दनं वयं
 वलिङ्गद्रुखादा ॥ ॥ गायत्री ॥ उं गिखानाथयविद्महे सुचन्दयधी महि तन्ना नूदयवा दयात् ॥ आवनवपू
 जीववद्धा ॥ ॥ ॐ अद्यावकायनमः ॥ उं गत्युषवकायनमः ॥ उं वामदवकायनमः ॥ उं मया जातवकाय
 नमः ॥ उं ॐ गानायवकायनमः ॥ कालाग्निनूदवकायनमः ॥ ॥ वृक्ष ॥ उं नूदायनमः ॥ उं ॐ ग्वनायनमः ॥ उं
 विष्णुवनमः ॥ उं वक्र ॥ ॥ ॐ सदा गिवाय ॥ उं महाकालायनमः ॥ ॐ त्रिपथमावर्तनी ॥ ॥ उं हवायनमः ॥ उं ग
 वीय ॥ उं नूदाय ॥ उं यद्युपनय ॥ उं उग्रय ॥ उं हीमाय ॥ उं ॐ गानाय ॥ उं महादवायनमः ॥ ॐ लक्ष्म्य

गुह्यदीपिका ॥ ॥ द्वितीयावनवी ॥ ॥ वसुदत्तय ॥ ॐ कामायेनमः ॥ ॐ अक्षये ॥ ॐ मोक्षे ॥ ॐ काले ॥
ॐ कलविकलेनमः ॥ ॐ वलविकले ॥ ॐ वलयेमथये ॥ ॐ सर्वरुतदमये ॥ ॐ मनानमयेनमः ॥ यद्वादि
मन्त्रान्तेषु यद्वा ॥ हृतीयावनवी ॥ ॥ द्वादशयुग्म ॥ ॐ गङ्गाय नमः ॥ ॐ गङ्गाय ॥ ॐ महेश्वराय ॥ ॐ महा
देवाय ॥ ॐ कौनवे ॥ ॐ गिराय ॥ ॐ यद्युयतये ॥ ॐ उग्रये ॥ ॐ सद्यये ॥ ॐ गुप्तकाय ॥ ॐ शैवराय
॥ ॐ नृदाय नमः ॥ १२ ॥ युह्यदियादिकिं नानावर्धनवी ॥ ॥ द्वात्रिंश ॥ ॐ नदिन नमः ॥ ॐ महाकाला
य ॥ ॐ शैवराय ॥ ॐ अग्नये ॥ ॐ हृदिनि ॥ ॐ विनायकाय ॥ ॐ यमाय ॥ ॐ नैराय ॥ ॐ वृषराय ॥
॥ ॐ कदाय ॥ ॐ वरुणाय ॥ ॐ वायवे ॥ ॐ बभ्रुय ॥ ॐ देवे ॥ ॐ कृवराय ॥ ॐ शैवराय ॥ ॐ वक्रा
॥ ॐ विष्णवे ॥ यद्वादीयेन वयं विष्णुसदमहो ॥ ननु लजाय ॥ ॐ अद्यावज्जिह्वादा ॥ १० ॥ ॐ जयं गृह्णा ॥ २ ॥
दा ॥ ॥ ॥ यानिकानि वयायानि जन्मान् वक्रानि वागानि तानि विनश्यन्ति युद्धदिनयदयद ॥ अग्न
गंधादि ॥ ॥ ॥ नितनुदवायेनी ॥ ॥ ॥ गिरीश्वरानन्ददवस्यवनवकमलयुगलवासिनपीश्वरजिह्वानन्द

दं व न सं य रु स मू य रु क रं धी म हा क र्मा च न व रु थ क ल्य ॥ ॥ अथ आचमन विधिः ॥ ॐ कौं आत्म
त्वाय स्वाहा ॥ ॐ आने ॥ ॐ आयदात्मनि दं व न न न्द का टि स म य रं । त्वं कृ म क रू ला ना र्क स्रु टि का दि स म य रं ॥ १ ॥ ॐ
कौं विया त त्वा य स्वाहा ॥ ॐ आने ॥ ॐ अष्ट व क्रा म हा ग ज नि त य द्वा स म य रं । दु क्षा क ट म हा का र्य री भा य वि द्वा ना
ननी ॥ २ ॥ ॐ इं गि व त त्वा य स्वाहा ॥ ॐ आने ॥ नि र्य च न य न द र्व ज ठा मू क ट म छि रं । च न्द का टि य गी का र्ग च न्द द
कृत ध म रं ॥ ३ ॥ ॐ आचमन विधिः ॥ ॥ गता गु न म धु ला च न ॥ न्या स भा कौं द द या दि ॥ ष उं ग या स भा च का क्षा
न ॥ म धु रि का धा य र्ग व रु न र्म दान र्म स्ति रं । यू ज य च न वा त्मा नं गु न म धु ल म ध्व त भा गु कृ य द्वा स ना य या
दू कां ॥ ॐ आने ॥ यी त व धू च रु वी रूं य लू का रु व ना रु य । य स न न व द नी आ य र्ग रु न र्म रि नि वा य च ॥ स्रु गु न स्रु
वी ज न गु अ लि ॥ ३ ॥ ॐ ज मूं आ न न्द धा कि रं न वा न न्द वी ना धि य त य मूं धी गु न म धु ला य या दू कां ॥
३ ॥ आ वा रु ना दि ॥ च न्द ना दि ॥ रि र्म रं य मूं आ व न न र्म र्ज ॥ रि का धा य ॥ मूं नें जं गु न र्म र्ज ॥ नें जं यं
य व म गु न र्म र्ज ॥ अ य म दि वा मा र्क ॥ १ ॥ अष्ट व त मूं नें जं रूं धी ल क ली ग न न्द द व या दू कां ॥ नें जं

संघीरुंगीगानन्ददवयादूकी॥नेंअवंतुर्जगीगानन्ददवयादूकी॥नेंअवंधीसमलो नन्ददवयादूकी॥
नेंअमंमहाकालगानन्ददवयादूकी॥नेंअलंवीनाक्रानन्ददवयादूकी॥नेंअवंधीखुजीगानन्ददवयादू
की॥नेंअयंघीबालीगानन्ददवयादूकी॥नेंअउंश्रीगानन्ददवयादूकी॥॥एवादिमध्यानैषजय०॥
हानैषूँदुदिलाकेयासांभयसंयम॥गुनवगधयूष्यधुवदीयनेवय॥आवायसंयुतमूदा॥जाय॥ग्लुंखा
हा॥१०॥॥दंयुनवैजयैष्टक२खाहा॥॥मुनि॥गुनववधसनाऊसर्वदाएकिरावान् यविचननिधिध
याश्रयसुवात्तनास्यात्॥अनूदिनमनूमनेमानयमानवासी॥रुवतिजगनिवादीद्वेनसिद्धानकहना॥अ
गुर्गंधादि॥युगमनमल्लया॥अक्षीलवा॥॥॥निगुनूयजनविधि॥॥अथसूयायविधि॥यासं॥॥
॥अमायरुट्॥करुष्टादि॥जांअंयुष्टायांनमः॥जांनऊनीयांनमः॥कुंमध्वमायांनमः॥कुंअनामिकायां
नमः॥कुंकनिष्ठिकायांनमः॥कुंकनमलयुष्टायांनमः॥॥निकनान्मयासथांनैनाय्यामयूजा॥आत्मा
नैयूजयगु॥ममां॥॥॥मनमधुर्लकत्वा॥अष्टदलयम्वदुनसंज्ञाननिमाय॥आसनआध्यायकथय्यादि॥

[illegible]

[illegible]

सर्ववर्तिना चन्दनादिभिः पूजनी ॥ अर्थवर्तनपूजनी ॥ यत्तु नमः पूजनी ॥ नमिषुधमावर्तनी ॥ ८ ॥ त्रिकाश
 मः पूजनी ॥ ९ ॥ अर्थवर्तनपूजनी ॥ तस्याधः ॥ १० ॥ त्रिमात्रपूजनी ॥ दक्षिणे ॥ ११ ॥ दक्षिणायनपूजनी ॥ तदधः ॥ १२ ॥ उ
 दकाकायनीयानमः ॥ मन्त्रिमः ॥ १३ ॥ त्रिचक्रपूजनी ॥ तदधः ॥ १४ ॥ मन्त्रपूजनी ॥ उत्तरे ॥ १५ ॥ उदकाकायनीयानमः
 ॥ १६ ॥ उदकाकायनीयानमः ॥ नमिषुधमावर्तनी ॥ १७ ॥ तत्राधः ॥ १८ ॥ यत्तु नमः ॥ १९ ॥ उदकाकायनीयानमः ॥ २० ॥ उदकाकायनीयानमः
 दकाकायनीयानमः ॥ २१ ॥ उदकाकायनीयानमः ॥ २२ ॥ उदकाकायनीयानमः ॥ २३ ॥ उदकाकायनीयानमः ॥ २४ ॥ उदकाकायनीयानमः
 त्रिचक्रपूजनी ॥ नमिषुधमावर्तनी ॥ २५ ॥ यत्तु नमः ॥ २६ ॥ उदकाकायनीयानमः ॥ २७ ॥ उदकाकायनीयानमः ॥ २८ ॥ उदकाकायनीयानमः
 ॥ २९ ॥ उदकाकायनीयानमः ॥ ३० ॥ उदकाकायनीयानमः ॥ ३१ ॥ उदकाकायनीयानमः ॥ ३२ ॥ उदकाकायनीयानमः ॥ ३३ ॥ उदकाकायनीयानमः
 पूजनी ॥ ३४ ॥ उदकाकायनीयानमः ॥ ३५ ॥ उदकाकायनीयानमः ॥ ३६ ॥ उदकाकायनीयानमः ॥ ३७ ॥ उदकाकायनीयानमः ॥ ३८ ॥ उदकाकायनीयानमः
 ॥ ३९ ॥ उदकाकायनीयानमः ॥ ४० ॥ उदकाकायनीयानमः ॥ ४१ ॥ उदकाकायनीयानमः ॥ ४२ ॥ उदकाकायनीयानमः ॥ ४३ ॥ उदकाकायनीयानमः
 नादि ॥ धूपदीपनैः वाराकं संपूज्य ॥ बलिपत्रं मुद्रां ॥ मण्डलजाया ॥ १० ॥ उदकाकायनीयानमः ॥ ११ ॥ उदकाकायनीयानमः ॥ १२ ॥ उदकाकायनीयानमः

[illegible]

[illegible]

हकलितकन्यायाकनीलात्यलाव। नकाकल्याहिरामामगिमयमकूटाविगुवकायसना। दिग्धाद्विध्वंरुवानसम
तमहिमनंवल्लुहाकेटरोत्रं॥ॐ॥ निध्वात्वाकसुमाकर्ममूलनसंयुक्ता॥ नैजं॥ उं॥ क्वावात्वाधियतयवक्ता॥ नमः॥ अ
वाहनादि॥ नतावितानादिमालायुधयोगमन्दिलमलंकृत्य॥ बहुदिशुदीर्घयद्वात्य॥ ॥ साग॥ उं॥ वक्ता॥
वासुयूवर्षदधमससमवर्षत॥ यत्थाक्तासनकंसकी॥ देवतायूवतागुरी॥ सक्तिकायविविचय्ययूजय
मनूनामना॥ अगर्गंधादि॥ॐ॥ तिरुमिनंमकरवविधि॥ ॥ नताविजयासाधनी॥ नतायूजीकुला॥ यूवा
कमकुलपितृत्वावमनी॥ ३॥ नैजं॥ अश्वलुमलुलाकारं॥ आर्कयनचराचरी॥ नत्यदंदिर्गितंयन॥ तसेधीगुनव
नमः॥ गुनवक्तागुनविष्णुः॥ गुनदवमदध्वनमगुनदवजगत्सर्व॥ तसेधीगुनवेंनमः॥ धीगुनयानमः॥ धी
यवमगुनयानमः॥ धीयवमहिगुनयानमः॥ धीयवमावायगुनयानमः॥ त्रिजगुनधीश्रुमकानन्दनाथ
यनमः॥ॐ॥ त्रिगुनमस्कारंकुला॥ ॥ आसनायथा॥ कृष्णजिनंज्ञानसिद्धि॥ मोक्ष॥ धीयाद्युजसमि॥ कमल
वियूलाग्नित्वं॥ वक्ताधिविनागनी॥ कमलंदूखनागय॥ कोलायं॥ भक्तियोदिक॥ नमः॥ सनं॥ नजदावि॥ यल
वविरुविजुमी॥ वं॥ सनदविदुः॥ त्यावा॥ नवाधिसंहरी॥ वनध्यादूखसंहरी॥ ससोखीदानकासन॥ॐ॥

[illegible]

[illegible]

नमः॥१॥

ॐ नमः॥ वामक॥ ॐ नमः॥ दक्षनासायूट॥ ॐ वामनासायूट॥ ॐ नमः॥ दक्षकयाल॥ ॐ नमः॥ वामकयाल॥
॥ ॐ नमः॥ उद्धा॥ ॐ नमः॥ अक्षना॥ ॐ नमः॥ उद्धा॥ ॐ नमः॥ अक्षना॥ ॐ नमः॥ अक्षना॥ ॐ नमः॥ अक्षना॥
॥ अ॥ नमः॥ सर्वमुख॥ ॐ नमः॥ दक्षकनकल॥ ॐ नमः॥ दक्षकनकल॥ ॐ नमः॥ दक्षकनकल॥ ॐ नमः॥ दक्षकनकल॥
दुलिमूल॥ ॐ नमः॥ दक्षकनकल॥ ॐ नमः॥ दक्षकनकल॥ ॐ नमः॥ दक्षकनकल॥ ॐ नमः॥ दक्षकनकल॥
जानुनि॥ ॐ नमः॥ दक्षकनकल॥ ॐ नमः॥ दक्षकनकल॥ ॐ नमः॥ दक्षकनकल॥ ॐ नमः॥ दक्षकनकल॥
दक्षकनकल॥ ॐ नमः॥ दक्षकनकल॥ ॐ नमः॥ दक्षकनकल॥ ॐ नमः॥ दक्षकनकल॥ ॐ नमः॥ दक्षकनकल॥
नमः॥ दक्षकनकल॥ ॐ नमः॥ दक्षकनकल॥ ॐ नमः॥ दक्षकनकल॥ ॐ नमः॥ दक्षकनकल॥ ॐ नमः॥ दक्षकनकल॥
मः॥ वामसर्वदक्ष॥ ॐ नमः॥ सर्वदक्षकनकल॥ ॐ नमः॥ वाम॥ ॐ नमः॥ सर्वदक्षकनकल॥ ॐ नमः॥ वाम॥
सुखिमाहकान्यासमा॥ ॐ नमः॥ सुखिमाहकान्यासमा॥ ॐ नमः॥ सुखिमाहकान्यासमा॥ ॐ नमः॥ सुखिमाहकान्यासमा॥
काखीनमः॥ ॐ नमः॥ सुखिमाहकान्यासमा॥ ॐ नमः॥ सुखिमाहकान्यासमा॥ ॐ नमः॥ सुखिमाहकान्यासमा॥

[illegible]

कया ॥ हं नमः ॥ वामया ॥ वं नमः ॥ युष्ट ॥ हं नमः ॥ नाहो ॥ मं नमः ॥ उदय ॥ यं नमः ॥ ददि ॥ वं नमः ॥
ददुक्त ॥ लं नमः ॥ ककुदि ॥ वं नमः ॥ वामय ॥ गं नमः ॥ ददयादिददुक्त ॥ वं नमः ॥ ददयादिवामह
ह ॥ सं नमः ॥ ददयादिददयाद ॥ हं नमः ॥ ददयादिवामयाद ॥ लं नमः ॥ ददयादिमुख ॥ ॐ नित्ति नित्ति मा
हका न्यासः ॥ ॥ अथ सीतानामाहका न्यासः ॥ ॐ अं कं खं गं घं ङं अं कं निष्ठिकास्थी नमः ॥ ॐ अं ॐ ॐ अं ॐ
अनामिकास्थी नमः ॥ ॐ अं उं ङं उं मं मं मास्थी नमः ॥ ॐ अं उं गं अं नं नं नीस्थी नमः ॥ ॐ अं उं यं अं उं श्रीगुह्या
नमः ॥ ॐ अं अं यं १० अं कं नगलवृष्टास्थी नमः ॥ ॥ एवमदयादि ॥ ॥ अथ ॥ हं नमः ॥ यादादिभिर्नामैश्चाप ॥ ८
कां लं सद्योदय ॥ हं नमः ॥ वामया निसर्व ॥ सं नमः ॥ ददुक्त ॥ वं नमः ॥ वामयादसर्व ॥ गं नमः ॥ ददुक्त ॥ वं नमः ॥ वामी ॥
॥ लं नमः ॥ वालुक्य ॥ वं नमः ॥ ददुक्त ॥ यं नमः ॥ ददय ॥ मं नमः ॥ उदय ॥ हं नमः ॥ नाहो ॥ वं नमः ॥ युष्ट ॥ हं नमः ॥ वा
मया ॥ यं नमः ॥ ददुक्त ॥ नं नमः ॥ वामयादी गुह्या ॥ रं नमः ॥ वामयादी गुह्या ॥ दं नमः ॥ वामयादमनिर्व ॥ थं
नमः ॥ वामजातो ॥ गं नमः ॥ वामयादमूल ॥ गं नमः ॥ ददुक्तयादी गुह्या ॥ हं नमः ॥ ददुक्तयादी गुह्या ॥ उं नमः ॥ ददुक्तयाद

मनिर्वं (ध) ॥ ॐ नमः दक्षजानो ॥ ॐ नमः दक्षयादमूल ॥ ॐ नमः वामहस्तांगुल्या ॥ ॐ नमः वामगुलिमं (ध) ॥ ॐ नमः
॥ वामहस्तमनिर्वं (ध) ॥ ॐ नमः वामकूर्चय ॥ ॐ नमः वामहस्तमूल ॥ ॐ नमः दक्षहस्तांगुल्या ॥ ॐ नमः दक्षांगुलिमूलं ॥ ॐ नमः दक्षहस्तमनिर्वं (ध) ॥ ॐ नमः दक्षकूर्चय ॥ ॐ नमः दक्षहस्तमूल ॥ ॐ नमः जिह्वायां
॥ ॐ नमः वृक्षय ॥ ॐ नमः श्रु (ध) दक्ष ॥ ॐ नमः उद्धदक्ष ॥ ॐ नमः श्रुधवा ॥ ॐ नमः उद्धा ॥ ॐ नमः
वामग (ध) ॥ ॐ नमः दक्षग (ध) ॥ ॐ नमः वामनासायूट ॥ ॐ नमः दक्षनासायूट ॥ ॐ नमः वामक (ध) ॥ ॐ नमः
दक्षक (ध) ॥ ॐ नमः वामन (ध) ॥ ॐ नमः दक्षन (ध) ॥ ॐ नमः मुखवृक्ष ॥ ॐ नमः निरसि ॥ ॐ निरसि
नमो ह्येकान्यासः ॥ माहका न्यासः ॥ माहका न्यासः ॥ गनः सर्वयातकनागनी ॥ बहुवर्देय्यत्युर्ध्व
तत्पुन्यो माहका न्यासः ॥ ॥ अथमूलवर्तगन्यासः ॥ ॥ मन्त्राद्वान ॥ धीकृद्विकावाव ॥ कथं कृद्वि
कानाथः वदमन्त्रयदान्विता ॥ सर्वज्ञा सर्वदादेवः लक्ष्मि नमः न्विता ॥ ॥ धीरेव उवाच ॥ उक्ता ब्रह्मगवा
र्कवः कृदिनी गृध्रकृदिनि ॥ किं कृत्वा नवकथा ॥ यावन्नाद निवः मिथुः ॥ श्रुत्वा नित्यं दयुधर्मानि किमिवा

[illegible]

महकाविकार्येजोधीकनिवाह्यांनमः॥ॐजकिमिनिमिविचकाकधयेजःकनतलपट्टाह्यांनमः॥ ॥
ॐनिकनन्यासः॥ ॥ॐजनमारागवमिद्वल्कमलायेधीउर्ध्वकाययादूकी॥ॐजमुं कूडिकायेकूलदीयाये
धीयूर्ध्वकाययादूकी॥ॐजजोडोडूवर्धननिसेधीदक्षिणकाययादूकी॥ॐजधावेअधावअधावामूर्खित
दूतयायेधीउरुवकाययादूकी॥ॐजकोडोमहकाविकार्येधीयन्धिमवकाययादूकी॥ॐजकिमिनिमिविच
काकधयेधीयनयनवकाययादूकी॥ॐनिकनन्यासः॥ ॥ॐजनमारागवमिद्वल्कमलायेहृदयायनमः॥ॐ
जमुं कूडिकायेकूलदीयायेनिरसखाहा॥ॐजजोडोडूवर्धननिखनिखोयेनोमट॥ॐजठअसनमअधा
नामूर्खीवदूतयायेकववायदू॥ॐजमुंमहकाविकार्येननुययायववट॥ॐजकिमिनिमिविचकाक
धयेजःअस्त्रायरु॥ॐनिरगन्यासः॥ ॥अस्त्रायसरु॥धीलायासविथाकथीजीवितकूडिकम
मासमतीसिकनायन्धसविद्धिधामनीत्रिहिशायसाअधुलमित्यर्थसर्वकथागिनीकूल।अथयसर्व
धी।०वृ.मागर्थसमयात्मिका॥अस्मात्समनधमागुधविद्वलनु गगुया।हवगंनगुसन्दहा॥ॐनिमाताहुन

क्रिया ॥ ॐ निमूलवर्तमानसुभा ॥ नमो जलयात्रयुजा ॥ चक्राक्षरायथा ॥ विन्दु शिवा वृक्ष उच्यते सर्वसमा
लिखत ॥ स्थापय जलयात्रा विन्दीनादकनयनयन ॥ आसन ॥ नैज जलासनाय यादूकी ॥ नैज वृक्षासनाय या
दूकी ॥ ध्यान ॥ बहुवर्जं निरुजं वनदाहयहसुके ॥ शिखरं जायमानां च सुखं वनवृक्षासने ॥ नवमहं च
नंदवं ॥ जलमूर्ति विविक्तयन ॥ शुभ्रलिङ्गं नैजं शुभ्रं श्रानन्दनं किं हेतवानन्दवीमाधियनयस्य ॥ श्रीजलयात्र
रुद्रानकाय यादूकी ॥ ३ ॥ षष्ठं गणयुजा ॥ ज्वां हृदयं यायथादि ॥ आवाहनादि ॥ धनसूत्रां दध्नीं गेयतां गन्ध
पूजादि ॥ जाया ॥ श्रीस्वाहा ॥ १० ॥ मुनि ॥ यावन्मोव ॥ नृत्तं दव केला गगिरव वल्लिर्न ॥ नमामि स ॥ नन्दकुल ॥ २०
वायजलमूर्तय ॥ अथ गन्धदि ॥ नमो गन्धयुगी ॥ नैजं कृदिकाय विमहं कूलदीपाय धीमहि ॥ गन्धं कृदिय
यादयात् ॥ जलयात्रादकनदवपूयादि उग्रस्वयेति कथय ॥ ॐ निजलयात्रयुजा ॥ ॥ ॐ निधी श्रुनना नन्द
दवस्य वनगकमलयुगलुवा सिन ॥ श्रीश्रुतिगानन्ददवनसेय हसमवयकनं धीमदाकमोद्वनव ॥ ४ ॥ कल्प
शा ॥ अथ यंत्रयुद्धि ॥ आत्मरुमो मनुदयं ॥ दवं वयं वयुद्धयं यं वयं वयुद्धि मकृत्वा तु नाधिका नीकृत्वा च

न॥ स्नानं चरुतु द्वि॥ यागयाममिहिकुर्म॥ षष्ठं गदितथा न्यासः सात्तु द्विमुदाहरं॥ स्नानं चरुतु द्वि
यागयाम॥ मूलधातुगवात्रं जयन्वा मनासा यूटं नवायुमायुय्य॥ १७॥ बहुषष्ठिवात्रं जयन्कूरुयित्वा॥ ३४
॥ द्वाविंशवात्रं जयन्दकनासा यूटं नवायुय॥ ३२॥ पुनर्दकनासा यूटं नवाधगवात्रं जयन्वायुमायुय्य॥ १७॥
बहुषष्ठिवात्रं जयन्कूरुयित्वा॥ १४॥ द्वाविंशवात्रं जयन्दकनासा यूटं नवायुय॥ ३२॥ पुनर्दकना
सा यूटं नवाधगवात्रं जयन्वायुमायुय्य॥ १७॥ बहुषष्ठिवात्रं जयन्कूरुयित्वा॥ ३४॥ द्वाविंशवात्रं जय
न्वा मनासा यूटं नवायुय॥ पुनर्दकनासा यूटं नवाधगवात्रं जयन्वायुमायुय्य॥ बहुषष्ठिवात्रं जयन्
कूरुयित्वा॥ द्वाविंशवात्रं जयन्दकनासा यूटं नवायुय॥ जां हृदयादिषु षष्ठं गदितथा न्यासः॥ वृत्तात्तु द्वि॥
अथ स्नानं तु द्वि॥ संमार्जनात्तु लयायेदं यथा दत्तवत्कृतं॥ विना नधूयदीयादिः पूज्यमात्रे न लंकारं॥ यच्च वनज
स्थितेऽस्नानं तु द्वि॥ त्रितीया विरतथा॥ अथ मन्त्रं तु द्वि॥ माह कायथिगावर्त्तुः मूलमन्त्रादना विवाजमात्रुमेतिना
वृत्त्यः मन्त्रं तु द्वि॥ त्रितीया विरता॥ माह काद्वन्द्विकमात्रुमेतिना वृत्त्यमूलमन्त्रं जयदिति मन्त्रं तु द्वि॥ अथ द
यं तु द्वि॥ पूजादयादि संयुक्तमूलमन्त्रं विधानतः॥ दगयद्वन्द्वमन्त्रं वि॥ दयं तु द्वि॥ त्रितीया विरता॥ दयादि

लात्मननमः॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यं वदन्ति कथयन्ति ॥ ॥ रुद्रिनिदके इति संतापः कृमिनिवा
समस्तैरुक्तं नीत्योतिः संवत्सराः मूलनवदशानि नीत्युक्तं सामान्याद्युक्तं नास्त्युक्तं विगर्भं नृक्षीयात् ॥ ॐ
वैश्वदेव्या दत्तात्रिकाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ लाक्षावत्तनित्तद्वीयद्वारागसमयता ॥ एकत्र कु
त्तिनं गुप्तं मदिवानन्दनदिता ॥ अष्टादशं रुद्राद्वी ॥ अष्टिरुद्रकं विष्टी ॥ विन्दुकाया लम्पटादि ॥ अष्टिनी
सिंहवाहिनी ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
घटं धृत्वा जयत ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
दा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यी ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

वंज आनन्द हे ववायन मावषट् ॥ नूति विषय म ॥ ३ ॥ आनन्द हे वती श्री ॥ नूज गवय वृक्ष भादवा विन्दु काष्ठ यूनय ही ॥ हिमकू दं नू वली
यैव वन्तु ॥ कीपिला वनी ॥ अष्टादश गुज्यै की सची नंद कनायगी ॥ यदुस की विमला र्द देव दव मर् मर्वा ॥ नूति श्री ॥ १
मिने ॥ लाहिर्नंद वदवर्ग ॥ लावयत्साधका यणी ॥ नूति श्री ॥ नूति श्री ॥ मूध आनन्द हे वती नमः वीषट् ॥ नू
नियुज्य म ॥ ३ ॥ मतामूला मतात्क दुलनी वक्षय यनय वनि वसु ॥ यो आरु या रे वी विहा आ ॥ नंद कवा
मर्ग वदं नो सायूट नर्द र्द स्यात् ॥ अमृत मय श्री ॥ ॥ वां वी वू यै वी वी व ॥ वर वृक्ष यन म ॥ नूति वर वृक्ष
मर्क वमूल मर्क गद्यट् ॥ अष्टादश गुज्यै म ॥ ७ ॥ गन्धादि हि ॥ यूनय म ॥ नमः शुद्धि मी नमः दया ॥ ॥
यै १० ॥ मय्या मि ॥ नं १० दीयया मि ॥ वं यावयो मि ॥ धन मूद्रया मृगी कृत्य ॥ नूति श्री वर वृक्ष ॥ रुट् ॥ नू
त्यय्य ॥ मूल नाम कु ॥ उं जी नमः ॥ नूति शुद्धि ॥ उं दूं नमः ॥ नूति मी नमः ॥ उं जी नमः ॥ नूति मूद्रा ॥ उं
यूँ ॥ उं स्वाहा ॥ नूति कुल यूर्ध्व ॥ मूल न सर्व आ सफ म् ॥ ॥ नूति ॥ लाका व स निरा द वि सिन्दु ना वृक्ष सा
हिता ॥ अष्टादश गुजा की धू ॥ म्नाष्टका वर वृक्ष ॥ की वा द मथ ना रू म लि द व र थ य न ॥ स सा व मा
हिनी द वी ॥ सुष्टि लिख न का विधी ॥ द व द ग्रा मून ना र्क विपू र्द का व र ऊ र्नी ॥ रुयं चित्वा प्रियं दत्वा यादु का
दुम्ब वग्नी ॥ ॥ नूति कुल द ग्रा साधन विविधा ॥ नमः अष्टादश गुजा ॥ ॥ वकी वा व मा वर वृक्ष मय मय

लं वरुका (ग) कलालया (ग) उं गय जि न (ग) मूल नम मयू ज न ॥ ॥ उ उ व म य र्वा दि न त ४ यू ज य न ॥ ॥ नें
 उया नयी (ग) यया दू की ॥ (ग) जाल न वयी (ग) यया दू की ॥ (ग) यी पू र्ण गि नि यी (ग) यया दू की ॥ (ग) काम नू ययी (ग)
 यया दू की ॥ (ग) वरु म धु ला रु नि रं ज न क म ला स न यया दू की ॥ म (ग) वरु व उं ग न य र्वा य न ॥ वरु (ग)
 यय ज स न ॥ (ग) यथी म धु ला स ना यया दू की ॥ (ग) श्रय म धु ला स ना यया दू की ॥ (ग) न ज म धु ला स ना यया दू
 की ॥ (ग) वा य म धु ला स ना यया दू की ॥ (ग) श्र का म धु ला स ना यया दू की ॥ (ग) य वा य व म धु ला स ना यया दू की ॥
 जि का (ग) ॥ नें ॥ वरु ग क य या दू की ॥ (ग) ज्ञान ग क य या दू की ॥ (ग) क्रिया ग क य या दू की ॥ नें अ म्भु (ग) श्री कृ कृ का य या
 दू की ॥ म (ग) ॥ नें अ वं श्र मि म धु ला य द ग क ला स न ॥ श्र व न र्वा य न ना द ग क ला श्र मि नू यथ ॥ नें अ यं री
 वों हालि न न म ॥ नें अ वं रूं धूं म्भु य न म ॥ नें अ लं रें कं यि ला य न म ॥ नें अ वं रों वि ह्म ली गि य न म ॥ नें अ यं वि
 कें क या दा य न म ॥ नें अ स नूं रं का य न म ॥ नें अ दं रं अ र्वा य न म ॥ नें अ लं रं दं द या वा द ना य न म ॥ नें अ रं रों
 कें क या वा द ना य न म ॥ श्री ॥ शिव कृ व कृ व धूं र्वा जि का स का वि ह्म वि ना ॥ स क ह ला धूं सु गि र्वा ॥ ग रों कृ ग ध र

धुला। अरुमातागकिधन कलादगकवृथिगी। कमपुलुवनाधाय। द्वालासालासमाकूल। अग्निद्वगकलावृ
या। याजाधनविचिकयन॥ नमिग्यागधनमंत्र॥ अरुमातागकलावृ॥ त्रिजुं हूं रुद्रादा॥ अथाववर्जगसुधूया
॥ ॥ याजायथा॥ महायागवेव॥ अरु विष्णुमित्रवमधर्म। सुधूयाअरुमाताग। कनिष्ठनयकीर्ति॥ ॥ हं ववउ
वावा। गृधूदविषयवक्रामि। नालिकलाविधं गुरु। यनावेनिमित्तं यात। विष्णुमित्रवधमगा॥ विष्णुमित्रकपालेपुस
यात। अरुमातागमगमिन्वापुनयत्र। सिद्धिदवाप्यसर्वगगा। तस्यदगनमार्गग। एकविंशतिमं कूल। उद्विधा
नसंददा। गुरुस्कारवतिथिय॥ बुद्धरुद्रादिकान्याया। कथाविष्णुमृघातकान्। दृष्ट्वापुनं नालिकलं। सर्वपा
यं विनश्यति॥ कन्याकाद्रियदानानि। तथाहमगमानिवायाददातिमदं गानि। वादूयसुदिवाकरं॥ नरुलंका
ठिगुमिर्न। नालिकलाघेयागमगा। अलार्हं तस्ययागस्य। नवयागं सूयजयन्॥ कृत्वाघेयागं दवगि। वक्राया
दवगाः सदा॥ नृयकि सर्वयागिग्याः यीताः सिद्धिददन्ति॥ ॥ नमिनालिकलस्ययसंसा॥ ॥ धीकृडिका
यागं स्थाया॥ त्रिजुं हूं सूर्यमपुलायदादगकलासनेयादूकी॥ द्वादगकलासुयायथा॥ त्रिजुं हूं हं न नयि
नममगा॥ त्रिजुं हूं वंदं गानाविनममगा॥ त्रिजुं हूं हं धूमोयनममगा॥ त्रिजुं हूं वंदं मं सवित्रीनममगा॥ त्रिजुं हूं नंदं

ह्रीं कालि नमः ॥ जं चं दं विं विहृ लिं गि नमः ॥ जं चं दं सं स्रु नमः ॥ जं चं दं हं हं रा ग दाय न
मः ॥ जं चं दं विं विहृ लिं गि नमः ॥ जं चं दं हं हं रा ग दाय नमः ॥ जं चं दं हं हं रा ग दाय नमः ॥
रु मा ये नमः ॥ दिन ग दि रु जा न का सका ग व न थ वा ह ना । अ ग्य रु ४ सा म नू या च । ह स्ता य द्वा ध न ग रु ।
काला माला कूल आ य । नाना रु न ग रु वि ता । कला द्वा द ग नू या च । या नू र्प वि वि न थ न ॥ ॐ ति या न ॥ ॥ तं
अ लि ना य न थ न ॥ जं चं दं हं हं रा ग दाय नमः ॥ जं चं दं हं हं रा ग दाय नमः ॥ जं चं दं हं हं रा ग दाय नमः ॥
जं चं दं हं हं रा ग दाय नमः ॥ जं चं दं हं हं रा ग दाय नमः ॥ जं चं दं हं हं रा ग दाय नमः ॥
म नू मे नू या थ ॥ जं चं दं हं हं रा ग दाय नमः ॥ जं चं दं हं हं रा ग दाय नमः ॥ जं चं दं हं हं रा ग दाय नमः ॥
न थ ॥ २ वि दि २ हं २ रु २ कं २ धी न हं को मा वि का वि चं या द को ॥ अ क थ दि व कं लि ख न ॥ ॥ अ का ना दि या
उ ग स्त्र न ॥ ॥ अ ग्य को ना दि वा मा नं ॥ क का ना दि या उ ग य अ नं ॥ ॥ वा म का ना दि द का नं ॥ थ का ना दि
या उ ग य अ नं ॥ ॥ द क का ना दि अ ग्य नं ॥ म ॥ हं हं व न ॥ जं चं दं हं हं रा ग दाय नमः ॥

२४

[illegible]

[illegible]

सद्यो मां गन्धर्व उह वहुय पु यति हे नवाहन नाथ ॥ ॐ निष्कला ॥ अथ सर्व हृदय मनुवहुत नाथं गल्लन
हृत्तं तत्सुत्रयं विविच्य ॥ स्वमित्रसिगुनं तययि न ॥ नैज कोलं गवानन्द नाथ कोलिन्याचा यादू कांयुज
यामितय्योमि ॥ नैज याग गवानन्द नाथ यागि शम्बा ॥ ११ ॥ नैज कूलं गवानन्द नाथ कूल गम्भीरा ॥
११ ॥ ॐ मिदिशो घाभा ॥ नैज विशानन्द नाथ विशाभा ॥ ११ ॥ नैज अह गवानन्द नाथ हाना ना ॥ ११
॥ नैज समानन्द नाथ गम्भीरा ॥ ११ ॥ ॐ नि सिद्धि घाभा ॥ नैज आत्मानन्द नाथ यन गम्भीरा ॥ ११ ॥ नैज म
हाहे नवानन्द नाथ महाहे नवाभा ॥ ११ ॥ नैज कूटिका आत्मानन्द नाथ हम्भीरा ॥ ११ ॥ ॐ निमान मोघा ॥
॥ कूटो यादू कां ॥ विन्दु गयी ॥ नैज धी नाथ यन मभा ॥ नैज धी सिद्धि नाथ यन मभा ॥ नैज धी कूट जनाथ य
न मभा मुख ॥ खनवी म्हां यद गयी ॥ ॥ ॐ त्या तपूजा ॥ ॥ गता मा लिनी दधुर्क य ॥ ०० ॥ ॥ आन ॥ नी
लाञ्जन संमं युक्ता कूटि त्रया महादना ॥ ॐ मङ्गला नवदना वरवार्द्धि गिना तूदा ॥ सूत्र यां ज वित्र याव
अनेका का न वृषिणी ॥ वाम यसा निग क ना दवी द व मूवा नरु ॥ आह्वानन्द मदा विष्ट मुखा नन्द कूली

कृणा। नवास्तिकागमस्तानां काहकस्य वन्यदा ॥ ॐ निष्काला ॥ ॥ ॐ नमः श्रीकृष्णाय ॥ ॥ श्रीहरे नमः ॥
 वाव ॥ जयत्वं मालिनी देवी निर्मलमलनागिनि। स्नानमकियुद्धवि वृद्धिस्त्री नंजवद्वनि ॥ जननी सर्व
 लता नी संसावस्मिन्व्यवस्किगा। माता वीरावली देवी कावृद्धं कवृद्धत्सु ॥ जयति यत्र मतत्वनिबोधसं
 युक्तं तं जामयी निःसृताया किं नूपायमा स्नानमकिल्वमिच्छाविया मृद्धि नं मां सुलखायूनः सुकनापान्दव
 सत्कृष्टुलाकावृद्धा। युशुनी दगकिं सुसंगीयसंलक्षणातिनूपागिवा अंशनामाववा मत्तवो दीम
 नाख्यामिका विन्दुनूपावधूगर्धवल्दाकं नित्स्वयिकाधम अउमकावउकावउकावसंया अतं तत्त्वमायय २१
 तं तत्त्वनूपाहगमकाववस्कायिनी। आदिनत्वाद्वा आदितः काकाया निनूपास्वनूपावधूगि कष्टसंवा
 धनी नूदमाता तं धानन्दगकिं ॥ सुसुखा विमृष्टि अमरीग अमीगनी। लवहति किं धिगमिकास्काधूरु
 ताहनाख्यावमधीर्गलोमी गस्यात्मिका नूपाहं गविगा। लवृत्तसंगममहासंनसंरागिनी या उगमनाम
 गाविन्दुसंदाह निस्त्यन्ददहपुगाधं वसम्यक्यनानन्दनिबोधसोख्यपदं। हरेववीहरेववाधानकीजानूदी

काविन्दूयावधगह्वरद्वारकानिहिरिकानाकावनेकावशूकावसैयाजिनकत्वयहत्वमायवनेनैवकुपभा
स्थिताहस्वरूपाहगकावयस्त्रयिनीश्रृंश्रृंश्रादिगत्वाहवाजांश्रादिगत्वाकनयानिस्वरूपावधीकधसमा
हिनीकुंनूडमागारुथाननगकिं॥सुसुआलिमलिबरीभादिनीहृदकाकाकावकगसंबधसाविन्दुसावूधि
धीकाहव॥कावविन्दूकनायागिनीहिद्वयागम्बनीहौयागमायानथएवरुसि॥जांतिथीभासिका
कानूरुगाहवाखाचमीटीगरीटीगसयासिकानयहभाविनाजांकुंदहानूगत्वमहासनसंगागिनीहौ
वाउगाकासृगाविन्दुसुन्दारनीगमकवी॥धननिस्सन्दसिंहयूगानैश्रृंगसम्यकयवानन्दनिवाधसौवलि॥
वृंरुगनायकी॥हंगम्बनीयु॥धायाथधावकीयनमघानरुंश्रृमाध॥खुंयेनमकूलयागम्बनीकुंमहा
मोहचकुम्बनीश्रृंजांकिनीश्रृंरांकाकिनीश्रृंलांलाकिनीश्रृंकांकाकिनीश्रृंसांसाकिनीश्रृंहांहाकिनी
॥श्रृंयांयाकिनी॥श्रृंरुकावगकीनद्यानम्बनीरुंरुलाका॥महामाहगीकिंनूवृदमाला॥द्वित॥या
नूदगकिखगनी॥श्रृंउयागम्बनीरुंनूदसिद्धिबृह॥हृदहृदहृदहृदस्यसिमावांनूदवामूधुवूजगउंउ

अथ नायकीनें समस्त मनुष्य जा मय खूं हान गभीर विरुध माना तसक अं अून कयूग संचित वच्चित वन
नांना कान नूय दोंद वीसूरु गकीनें की कामिनी काम नाज गंध वी अूं सर्व गुहा गाउ ना हों म नूनाय की अूं व क
वा विग अं क वधूत धीं धी मान्द विव न सुदंडु सदी फ क न का न जी य न म कूल आ ग गंध वी सें ति द्वि मात वि ३४
गद ना गी रिया ना धू व दूं आव धू व वां वा वि धु द्वा मि वा सिद्ध वा ग गंध वी मां मा ह का ली मि द्वा क्रिया मंगला
धू व नी दूं सिद्ध व लया वा मं हं य व म मा वि धु गंध वि खः सूरु अूं वा व मा नं अूं अूं अूं द व ग गंध व सिद्धा स
व मा नं दूं व क क नां सूरु का व ली हों सर्व व धू वि ह वि गा व ला जी न क व धु क ना ल कृणा र्णा । ए म नू या द्वा ३५ २५
ह स नी अूं य नें ल वी अूं य ३६ द टि ल य नि म धा द्वा मा गा मि स र्क्षी सूरु अूं ल हा ना व य ना थ गुं द वी सर्व ग न मा नं कां म
हा क मा या गा यि य हों ल ज या लं वि ज या लं ज य न्हा लं वा य ना जि ना नू द ग कि म हा मा ह मा य व ना जी नों द
व ता लि जं नू द स मा ह नी मूं । लं न वा ल्मा न न्द द व य वा लं ग या ना ह ना म क मा मा नू ल ग मा ह रि वी व या ना
नून के ३७ सूरु के य स पृथ ३८ स अूं द वी य ना म न दि द्य या ना त्वा ३९ अूं अूं ह ह नें व क ज न्म दि ज न्म वि ज न्म

[illegible]

[illegible]

यत्रमनिर्वाणमहावानयचकार्यताश्रद्धाधिकारंयत्रमविद्यमहमिकासकूलकलालं कृतात्मादनसंक्रमसा
गमयागिनीसिद्धवीदितं ॥ सतगातिनन्दिनंघीविद्यामांथायगशययैश्चन्द्रयादाहिश्रान्तसर्वार्थसंवित्स
म्यामसं सर्ववीनामिकहेहेहेववीहेववस्तुगवधगनाहंश्रद्धाधिनाहंलिंगकागरेववीहमस्वायवाधीग
वःउमजगन्मातृकालिककूलकमलपुद्गलगहनवासिनीमालिनीकवनामस्यसमयानन्दिताहंकावूध
मनूकस्यस्त्वमादिति ॥ ॥ॐ तिकावूधगीमनुमालनीमुनिसमाय ॥ ॥ॐ तिकावूधगीमनुमालनीमुनिसमाय ॥
स्वयत्रगकमलयुगलवासिनंघीश्रुजिगानन्ददवंनसंग्रहसमूहयकर्मघीमहाकर्मार्चनंश्रुम
॥ कल्य ॥ ॥ तनयंयवलिदाययतु ॥ वामिनिघउंगश्रासशान्तेजमयनासनाययादुर्का ॥ ध्यानं ॥ वकींवरधनं
दवंवक्रवर्धुंवरुर्कुजं। जकासीवकनेंरुचिंरुचिंरुचिंरुचिं॥ दधुगुल्लंतथकलिं कयालीकन। ग। हिमं।
शालयझायवीतंचविद्युविद्धदकानकं॥ हलदसिपमाकीर्णंमयूनासनसंस्तिर्न। गानकासुवहकात्रव
दूकनार्थनमाम्महं। गुंजलिगांजंघींकीकूलयुगवदूकनाथययादुर्का ॥ ३ ॥ वलिगांजंजदवीयूवदू

कनाथकपिलजटाशरणासुरकिनरकालासुरअवतनश्चक्रद्विहगवमधुलमधुकयधयनीनवलि
गृह्णश्वास्त्रिगतार्थददस्रमदूँ ३ रुद्रस्त्राहा ॥ तस्यचविगावदुकादि ॥ जेअदुकरेनवाययादकी ॥ अणियू
वाककरेनवाय ३ ॥ अवगालहेनवाय ३ ॥ अदूतासजिजाहेनवाय ३ ॥ अकयालेनवाय ३ ॥ अकनालेन
नवाय ३ ॥ अकयादहेनवाय ३ ॥ अलीमहेनवाय ३ ॥ एववलि ॥ आवाहनादि ॥ ॥ दधुमडा ॥ ॥ जाया ॥
धींजीं १० ॥ मुनि ॥ नकाचनेकालिगयिंगजटाकलार्य ॥ कालावलीकालिगदधुधनः ॥ युयुर् ॥ वालाकधुधक
नकाचनधुधवर्षू ॥ दवीसुर्गवदु कनाथमहंनमामि ॥ अगधदि ॥ ॥ निवदुकवलि ॥ ॥ कामिनि ॥ ३१
मउंगनास ॥ जेअननासनाययादकी ॥ ॥ धनी ॥ खल्लानकगयालेव ॥ सर्वदुस्किर्गधनी ॥ ध्वनानुव
निर्दवरी ॥ वदुर्कुजधुगायधु ॥ खमरुठकहलं ॥ उमनखद्वीगमववा ॥ कयालेनूलदहलं ॥ बालयक्षायवी
जिन ॥ नागहनदहवांगि ॥ बाघासुकद्विहवर्षी ॥ मधुमालागलयुर्क ॥ हाजरुनगरुमिर्ग ॥ दंष्ट्रकमालव
दनी ॥ यिंगयुयिंगलावन ॥ किनरंवेववदुं ॥ उग्रनूयहयंकर ॥ ननासनेकगयाले ॥ सर्वकामरुलयदी ॥ श्री

द्विदोत्रेव सिद्धि यागिनि नमाम्यहं ॥ ॥ गीजलि ॥ नैजयां र्यां र्यं र्यं र्यं र्यं र्यागिनी ल्य ४ यादू कां ॥ ३ ॥ वलि ॥ नैजयक वि
 यागिनी नीपी ॥ जासह जाय गजागह जाक सजासं दाह जां क वि यागिनी नीख वरी हव वी ॥ गव वी उका कनी
 दह वी गुह वी ॥ यदु र्य वषट् सफा स नवा कनी ॥ धिज ग सनी नीय ॥ थय चानै वलि गृह २ मम सिद्धि कर्त्तु
 दं ३ रुट् स्वाहा ॥ ॥ यत्रि वानै यूजनी ॥ नैज वद वधु र्ये यादू कां ॥ नैज यव धु र्ये ३ ॥ वधु र्ये ३ ॥ वधु र्ये ३ ॥ वधु र्ये ३ ॥
 ॥ वधु र्ये ३ ॥ वधु र्ये ३ ॥ वधु र्ये ३ ॥ वधु र्ये ३ ॥ वधु र्ये ३ ॥ वधु र्ये ३ ॥ वधु र्ये ३ ॥ वधु र्ये ३ ॥
 ॥ जय ॥ यां स्वाहा ॥ १० ॥ ॥ सिद्धू नयं जसह ॥ नन चानै र्यां ॥ वका मव नावृ त धु रान नम धु मालां ॥ काय च गान ३२
 वयूता मिर व विन्दू रुका ॥ गहो नमामु सगती कल याग मा ॥ ॥ अग न्यादि ॥ ॥ नियागिनी वलि ॥ ॥ वामिनि
 वडंग नास ॥ नैज गवा सनाय यादू कां ॥ ॥ ॥ ॥ वाम ॥ वाम ॥ वाम ॥ वाम ॥ वाम ॥ वाम ॥ वाम ॥ वाम ॥
 जवा कू स म स निहा ॥ दाडि मी य स का ग ॥ सूर्य का टि स म य हा ॥ विंग मू विंग क ॥ व वका की वलि ला वनी ॥ म
 का क काल त्रयी च ॥ उड क नी य व डु जा ॥ सूर्य स वी म रु र्यां गी ॥ हा जार व र रु विगा ॥ मधु माला धनी रोडी ॥ वाघा

[illegible]

पुंस्तुंत्तयाद्रुको॥हमादियेनरत्ननिभाया॥नत्तयेचकी॥वाग्वी॥यद्वासिंहासमावृणु॥जवादाउमवागिणी॥ला
 कात्रसनिहादवी॥यद्वागसमयला॥सर्ववत्तविचिगी॥गुम्बकाहृतविग्रहा॥अष्टादशशुजादिव्या॥नानायुद्धन
 लसयता॥नानावसधवीदवी॥नेलाअन्यानविग्रह॥खड्गवाधद्वी॥सुव्या॥क्यालीकूलिनीध्वजी॥वथाअंननथाघ
 ध॥नवमंडुवत्रयदा॥रुठकंधनूवागीव॥खड्गमंसकमधुनी॥जिह्वलीमंडुलीवी॥गन्धारिहवमूलमी॥दधनी
 मधुसागराद्या॥नदीरुताविसर्यिता॥यसनीयानकासुव॥नमृगामृगकाहवा॥उर्वध्वामदादवी॥वाग्वी
 कूडिकेश्वरी॥॥उर्वध्वाम॥॥गुम्बलिता॥जंजहलेआनन्दगकिरोनवानन्दविवाधियनयसलेयाद्रु
 को॥जंजहलेआनन्दगकिरोनवानन्दवीनाधियनयथीमहाविद्यामज्ज्वरीदलेष्टीकूलकूलरुद्रावकाय
 पाद्रुको॥३॥॥जंजवांवीवूत्रंवीवठवूं॥धीवाग्वीकूडिकार्येयाद्रुको॥॥वाग्वीविद्या॥अंशुकाव्येया
 द्रुको॥कंमाहव्यथेयाद्रुको॥चंकोमार्थे॥३॥टंवेपुथे॥३॥गंवावाथे॥३॥यंळ्ळुदाव्ये॥३॥यंवामूळये॥३॥मंमहा
 लक्ष्मी॥३॥॥अंअसितांगरेनवाय॥३॥ॐनूलेनवाय॥३॥उंनूलेनवाय॥३॥अंकाधहेनवाय॥३॥उंनूलेनवा

यश॥ जंकयालीहेनवाय३॥ उँरावलेहेनवाय३॥ अँसेहानहेनवाय३॥ ॥ ॐ निश्रुसिनीमादि॥ ॥ अध्याना
कुंयजन॥ वामिषादिमंडंगनयजा॥ आवाहनानिर्गुह्यानिमूदा॥ नवात्मावावृणी॥ अध्यानामुंभवलि
॥ जय॥ मूर्तिस्वाहा॥ १०॥ ॥ स्तौ॥ लाक्षासिन्दूरवधूयवकसुमनिरादाडिमीयूजवधू॥ साष्टादण्ड
जातिश्रु॥ सिंदूरलकधत्रीविन्दुकायालहता॥ सिंहल्लोसोम्यउग्रसकलजययदासर्वसिद्धार्थमकारुंला
अयूजनीयासकलरुयहवेदउदयानमाहु॥ ॥ अंगभूति॥ ॥ ॐ निर्वृतावेनी॥ ॥ अध्यानापरा
यजा॥ आस॥ ॥ साँददयायनम॥ साँगिरसस्वाहा॥ साँगिरायेवमठ॥ साँकववायदू॥ साँनयगयाय
वोमठ॥ स॥ अ॥ म॥ य॥ रु॥ ॥ ए॥ रि॥ व॥ व॥ क॥ व॥ न॥ या॥ स॥ क॥ त्वा॥ ॥ व॥ का॥ द्वा॥ न॥ म॥ ॥ अ॥ गि॥ म॥ व॥ दि॥ ॥ म॥ दू॥ ॥ रि॥ यु॥ व॥ व॥ व॥ ह॥
स॥ व॥ ॥ त॥ न॥ ॥ अ॥ क्वा॥ य॥ य॥ न्या॥ न॥ ॥ य॥ ज॥ नी॥ या॥ य॥ थ॥ वि॥ धि॥ ॥ ॥ नि॥ ज॥ अ॥ धा॥ ना॥ दि॥ क॥ म॥ ला॥ स॥ ना॥ य॥ पा॥ दू॥ का॥ ॥ अ॥ यु॥ ना॥ स॥
ना॥ य॥ ३॥ ॥ जा॥ व॥ ३॥ ॥ ग॥ न॥ म॥ धु॥ ल॥ य॥ ज॥ नी॥ ॥ अ॥ क॥ अ॥ गि॥ म॥ धु॥ ला॥ य॥ द॥ ग॥ ध॥ म॥ क॥ ला॥ स॥ न॥ न॥ म॥ ॥ ॐ ॥ स्वा॥ स॥ नी॥ ॥ अ॥ म॥ क॥ म॥
य॥ क्वा॥ ल॥ नी॥ ॥ अध्यानावक॥ वधूययह॥ पा॥ ग॥ ल॥ य॥ न॥ ॥ नि॥ का॥ न॥ मा॥ लि॥ खा॥ ॥ व॥ का॥ य॥ नि॥ स्था॥ य॥ ॥ स॥ व॥ नू॥ या॥ दू॥ का॥ ग॥ क॥

[illegible]

[illegible]

चिन्तयन् ॥ सुगुर्वदवमीगानं सर्वकामरुल्लयदं ॥ यन्नववि ॥ एकवर्कं निनर्गव वक्तवर्कं सुदुर्जं ॥ गूय
 यं तगाद्वर्कं निगूयदधुमवच ॥ सुखासनगर्कं सुदववयविकीर्तिनं ॥ यन्नमचगुर्वथाकं मध्यात्काचयपर
 जयन् ॥ अचिवा ॥ एकवर्कं निनर्गव यीतवर्कं सुदुर्जं ॥ उत्पलपुष्पकं वैव वनदचकमधुलू ॥ यन्नासनकि
 गावका सुनाजासनसंस्तिनं ॥ यन्नमकीगुर्वसम्यक सिद्धिदसिद्धिदायकं ॥ ३॥ ॥ अंजलिशां जंजमू ॥ अ
 नन्दनाथकिरेववानन्दवीनाधियतयमू ॥ धीनिधुदिरुद्रानकाययादूकां ॥ ३॥ ॥ अवंवलिशां नताम ॥ अ
 लावेनी ॥ जंजसुगुर्वधीरुक्लीगानन्दनाथ ॥ धिदवयादूकां ॥ ॥ अिकावनाम ॥ अयन्नमगुर्वधीवयोनन्द
 नाथदवशादका ॥ अयन्नमकीगुर्वधीमिगानन्दनाथदवशा ॥ अ ॥ अ ॥ वृल्लुषडंगमकुदा ॥ अमिलिका ॥ ॥
 ॥ नगा ॥ अदलुष ॥ जंजधीलकूलीगानन्दनाथदवयादूकां ॥ जंजसुधीरुङ्गीगानन्दनाथदवशा ॥ जंजकुंधीसम्वर
 नन्दनाथदवशा ॥ जमंधीमहाकालानन्दनाथदवशा ॥ जंजलंधीविनायकानन्दनाथदवशा ॥ जंजवंधीखडीग
 नन्दनाथदवशा ॥ जंजवंधीरुङ्गीगानन्दनाथदवशा ॥ जंजयेंधीवालीगानन्दनाथदवशा ॥ जंजडंअधीगानन्द

नाथदेव ३॥ पूर्वोदिमध्यानीयुजयतु ॥ ॐ ह्यष्टदलम् ॥ ॥ चक्रम् ॥ नैजं कोंकुरु नाथदेवपादुकी ॥ आत्मनय ॥
नैजं गंगालगनाथदेव ३॥ नैमृष ॥ जवां वटुक नाथदेव ३॥ वायवी ॥ जयां यागिनी ३॥ ॐ गंगाना ॥ ॐ निवडुवम्
॥ दानमूळं द्वादशलाकया लां धूजयतु ॥ ॥ वलि ॥ नैजं मूळं निगुद्धिरुहानकाय वलिगुद्ध २ स्वाहा ॥ आवाहना
दि ॥ धनमूला ॥ ॥ जया ॥ स्तुती स्वाहा ॥ १० ॥ ॥ कृष्ण ॥ उस्ती स नै नाथनवयादयुर्गनमामि नवर्थगनाथयदयेक
कृष्णययदामि कृष्णनाथम ॥ ॥ नैमानयथा ॥ ॐ धुद्धिर्कयुववर् ॥ सप्तती निवाय ॥ ॥ अयममादि ॥ ॥ ॐ निगुद्धि
वर्नी ॥ ॥ ॐ निगुद्धि अन्ननाथनन्ददेवस्य वनकमलसुगलवासिनः श्री अजितानन्ददेवनस्य गृहसमूहयकृन्धी
महाकुमारवर्नीकादग ४ कल्यण ॥ ॥ नमानवासा मधुलीयुजनी ॥ आम्नायं गृहीतय आधारी देह सिद्धय ॥ पुनवा
दिषु पादार्कं नत्यवैवकुसाधनी ॥ अथ नायया सी कृष्णा ॥ नैजं ॐ कूं अथ विपतय श्रीवज्रवानाह महाहरे न
वायवीवज्रयागिनी महाहरे नवासहिनाय अथ नाययादुकीयुजयामिनमः ॥ नैजं ॐ श्रीपूर्वा विपतय श्रीयू
ध्वनमहाहरे नवायवीयूध्वनीमहाहरे नवीसहिनायवी ३ ॥ चानकूय ॥ नैजं ॐ उहं ना विपतय श्रीदलीध्व

नमहाहेनवायधीद (गंधर्वीमहाहेनवीसहितायधीश ॥ दक्षक (ॐ) ॐ दक्षिणधियतयधीनि (गंधर्व
 वीमहाहेनवायधीनि (गंधर्वनमहाहेनवीसहितायधीया ॥ वामक (ॐ) ॐ यन्मिमाधियतयधीकूजंयनमहा
 हेनवायधीकूजंयनमहाहेनवीसहितायधीया ॥ नासा (ॐ) ॐ ॐ ॐ ॐ उद्धोधियतयधीनियूनयनमहाहे
 नवायधीनियूनयनमहाहेनवीसहितायधीया ॥ वक्षः (ॐ) ॐ निषजमाययासमा ॥ मूथमयनयासमा
 ॐ ॐ ॐ ॐ श्रमनवकायधीयथा मधुलायया ॥ श्रमन ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ स्वाधिकातवकायधीश्रायमधुलाय
 धीया ॥ लिङ्ग ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ मधियनवकायधीनजमधुलायधीया ॥ नासा ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ श्रनाहतवकायवायूम
 धुलायधीया ॥ हृदि ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ विउद्धिवकायधीश्राकागमधुलायधीया ॥ क (ॐ) ॐ ॐ ॐ ॐ श्राज्ञावकाय
 धीगूरयमधुलायधीया ॥ मूथमयनयासमा ॥ मूथमयनयासमा ॥ मूथमयनयासमा ॥ मूथमयनयासमा ॥ मूथमयनयासमा
 न। लासायादिविलासार्क आदिमरुतजाजिर्न ॥ त्रिकादीलास्करविद्या दूर्ध्वागनयूर्ध्वमी। नादागिनीनमस्त
 सुयुगवायकनस्तथा ॥ ॐ ॥ विन्दुवक्त्राउविस्तृया ॐ कायाविष्णुयाम। वक्षः नूतमिदंयाकं दक्षानां गंधर्व

॥ अथ न्यासक्रमः ॥ यगवाद्वायवा ॥ पूर्वयाहनिगमकिः ॥ कूजायाकूटमायत ॥ आहूत्याद्वात्रगातस्य यस्तुगिहि
तिहं हनं ॥ अम्बिकाशुजगमत्रज. गुम्फगस्तामिमलुलेगयादवीयुष्टिकनीय. यात्रिहनासुगमसुता ॥ नागस्त
कूसमादवि. गुम्फयायविमलुलेगगकूटनं ऊरुताहु. हनीयगकिनीद्विणी ॥ ३ ॥ दीयिनीगिखियंवाजा
जलुन्दुविन्दुविष्यहा. विलाभनादृतादवि. खवनत्वं सदायिका ॥ ४ ॥ अन्रयदात्रिर्नहं हं. याणीनीद्विदिहं
ह्मिता. उद्गुगमाकाशीरुर्. सुभानिर्वीणदायकी ॥ ५ ॥ नंजोन्नीं शुं. कौं ॥ तस्ययलवशा कूडिकायावनामाह.
यं वरिः ॥ यगवेयुता. नेविनानदिशाचार्. कूजान्नायमहाध्वनं ॥ यमूगानिवनायाह. कथयामिखनूयता ॥
विन्दूकानिसुवीणि. वीजलुगानिगममन ॥ आदिर्मंवरुनीयं व. दगमं जेव विगमं ॥ द्वितीयं जेव विगमन
वर्जितं यं वमं शुनं ॥ ॥ अथ वतीगिन्यासः ॥ ॥ नंजकिगिश्चिचकाकूटमायदृ ॥ ४ ॥ कनसाध
नी ॥ नंज. नमाहगवतीदत्कमलायेजांघीअंयुष्टाशीयादकी ॥ नंज. शुं. कूडिकायेकूलदीयायेजांघीतऊनी
ही ॥ ३ ॥ नंजोन्नीं शुं. वर्वरगिखदूंधीमधमाया ॥ ३ ॥ अथावअथावअथावामूखीवदू. नूयायेजांघीअनामिकाया

३॥ जहोँ मंद ना वि माये जौं धी कनिष्ठि काखी ३॥ जकि निरवित्र का कृपा यजु धी कनक लय साखी ३॥ उरि नव
वज्रा न्यास ॥ अथ ध्यान ॥ वज्राननायनादवी नीलजी मूर्त सी निहा ॥ जुजे दोदण काय ना नागरु वधमधि
ता ॥ किनी टिकु धुलेयु का नागयक्षाय वीमिनी ॥ विधुली कर्करी खड्ग नागं धकि ध्य दयनी ॥ दक्षिण कने
द्वया दीप कालानलय रं ॥ खड्गा जया गम हर्य मदादधुक मधुली ॥ वाम पाद पद वागाहू अर्जुन कालानल
युत ॥ विष्णु मधुगता देवी विष्णु दया शिव स्मिती ॥ कालामाला कली आत्मा दीप्यमान मदी जसा ॥ गृंगट
यूव मधु स्त्री वाउवानल मधुगता ॥ नि आत्मा वमीणी वधू कानन यम ॥ ॥ नैज नैज कवच वलित लयाद
की ॥ जमा धुदुह टिक वक्रि ना व ॥ ३॥ जहें अरु सीयुष्य वहाल क ३॥ जगं अर्क वद कन ३॥ जवें युधू
वन्दु वदामन ३॥ जतिं यीत वधू नासिका ॥ ३॥ जहुं उक्त वधू मुख मधु ३॥ जकुं याधु वधू दक्ष क ॥ ३॥
जकिं नील वधू वाम क ॥ ३॥ जकां उक्त वधू विवृक ३॥ जयें वक्त वधू क ॥ ३॥ जजां याधु वधू स्वाक ॥ ज
जो अर्क वद कन ३॥ जहुं वद वदामन ३॥ जहुं ग्याम वधू दक्ष क ॥ ३॥ जहुं वक्त वधू वाम क ॥ ३॥

[illegible]

हेतुमधुलसाधनीतजस्विनीद्वन्द्वौजअनविदुयादूकल्यानमगादवावी॥१०॥सुखमधुल॥॥नताग्रन्थिः
न्यासगात्रंजहांश्रीपुष्पाख्यानस॥जहांतर्जनीखीशाजद्वंमधुमाखी॥जहंअनामिकाखी॥जहंकनिठिका
खी॥जहंकनगलपुष्पाखी॥जहंददयादिन्यासगा॥॥ध्यान॥ग्रन्थिआहंवनानाहंघाउलोलाहुदीवि
ता॥उदयाकनिनीधायदीयमाना॥सुतजसाभास्त्रानंलानगमैध्यानग्रन्थिवाउगदीयिता॥नंजहंअन
कग्रन्थिवाददयपादकी॥जहांकालग्रन्थिगुरुद्वय॥जहंनृदग्रन्थिजंघद्वय॥जहांश्रेष्ठग्रन्थिउद्वय
॥जहंवामग्रन्थिकटिद्वय॥जहंकामग्रन्थिलिंगाग्र॥जहंपिण्डग्रन्थिमधुस्त्रानं॥जहंवसग्रन्थिव
क्रास्त्रानं॥जहंसूर्यग्रन्थिनाखाध॥जहंसामग्रन्थिनाहो॥जहंयागग्रन्थिउद्वय॥जहंजीवग्रन्थिद्व
द्वय॥जहांविष्णुग्रन्थिका॥जहंनृदग्रन्थिगालन॥जहंनृदग्रन्थिगिरस्त्रानं॥जहंसदागिव
ग्रन्थिमृदुस्त्रानं॥नंजहंग्रन्थिआसायपादकी॥मन्त्रावलि॥नंजहंसदायवधमदायागकनागनं
दनंवर्यवर्लिगृह॥अथन्यासहस्त॥ग्रन्थिआसानमदादविःसदावदवधंरुवता॥अननग्रन्थिआसन

[illegible]

क३॥ अघांक ॥ ७३॥ जवंददय ३॥ जतंददसुन ३॥ जवंबामसुन ३॥ जदुंददकधनो ३॥ जसंबामकधनो ३॥
 जवंबातो ३॥ जतं३॥ लिंगमूल ३॥ जसंगुठ ३॥ जवंगधुया ३॥ जसंददजानो ३॥ जवंबामजानो ३॥ जदुंददकया
 द ३॥ जनुंबामयाद ३॥ जइंजोलकूय ३॥ जसं३॥ ददसुन ३॥ जदोवामसुन ३॥ जवंबदकया ३॥ जदुंबा
 मया ३॥ जवंबलिकलीला ३॥ जयकात३॥ यादका ॥ जक३॥ यादकाकया ३॥ ॥ मनु॥ जेजअध्यायकांथया
 नकांधावयावतनंदुसर्वत३॥ सर्वसर्वक३॥ रंस३॥ कीरुडरूय३॥ क३॥ यादका ॥ वलि॥ जेजअध्यायनादिमदायानक
 नागनेवल्लिगुड३॥ खादा ॥ ॥ लित्तिअध्यायन्यास३॥ ॥ अथवज्ज्यासमाज३॥ जेजवकुडिनीजांधीअंगुष्टायेया
 दका ॥ जकुं३॥ लाकाकयगांधीजीनऊनो ३॥ जजोकासाअदावनीदुंधीमधमाये ३॥ जकुं३॥ मदाकाएकात्रिणीज
 धीअनामिकाये ३॥ जनुंसो३॥ कींधीकनिष्ठिकाये ३॥ जस३॥ क३॥ धीकवतलाये ३॥ जलित्तिववयउकयास३॥ ॥ ध्यान३॥
 सूर्यकाटियुगीकागं३॥ चन्द्राद्वकृत३॥ गवनी ॥ जिनकुअजदोदू३॥ यीनान्नतयमाधरी ॥ सदावयवसंयुक्त३॥ योवनान्न
 नविग्रहादिग्रवसुधनादवीमीषग्रहसिगाननी ॥ वहकीवामयादाकुं३॥ हिंदुकायत्रिसंस्तिगी ॥ सर्वोत्तकावत

युष्मै वराहयजुजद्वयं ॥ इति ध्यात्वा स्रवद वि. रजादयिरुयं हवन् ॥ इति ध्यात्वा ॥ ॥ वरुणासं कुर्यात् ॥ नैजने
वलिका कलयादूकी ॥ अवंगिरसं ॥ अजललाटं ॥ अकंदकनकं ॥ अजिं वामनं ॥ अजीनामा ॥ अजं म
यं ॥ अजेंदककं ॥ अजलां वामकं ॥ अजकां विवृकं ॥ अकंक ॥ अजं हृदयं ॥ अजींदककनकं ॥ अजी
वामकनकं ॥ अजकांदककयं ॥ अजमां वामकयं ॥ अजगं नाहो ॥ अज्यां लिं ॥ अजवं गुडं ॥ अजीं आधव
॥ अज्यांदकजानो ॥ अज्यां वामजानो ॥ अजमंदकयादं ॥ अजहां वामयादं ॥ अज्यां वालकूयं ॥ अजहंदकक
॥ अज्यां वामकक ॥ अजिंदकया ॥ अज्यां वामया ॥ अजनें विकलीला ॥ अज्यां गिरयादार्कं ॥ अजसं ॥ यादा
क्रियार्कं ॥ ॥ मन्त्रा ॥ नैजनें वज्रकूडिनी ॥ नैजला ॥ कर्षणी ॥ जां कामागजावणी ॥ क्रीं ॥ मंहा ॥ काहका ॥ विनी ॥ नैज
॥ ग्रीयादूकी ॥ ॥ वलि ॥ नैजवज्रकूडिनी ॥ नैजया ॥ वलिं ॥ नैज ॥ ॥ इति वरुणासं ॥ अथ समयाद
वीयासं ॥ नैजनें ॥ नैजयं ॥ नैजमवकुं ॥ पादूकी ॥ अजी ॥ उल ॥ वरुं ॥ अजी ॥ देदि ॥ वरुं ॥ अजं ॥ वरुं ॥ अजं ॥
वरुं ॥ अजनें ॥ गिरसि ॥ अजमां ॥ ललाटं ॥ अजहंदकनकं ॥ अजगं ॥ वामनकं ॥ अजवं ॥ दककं ॥ अजिं ॥ वामकं

ॐ शंभू दक्षनामात्र ॐ शंभू वामनामात्र ॐ शंभू मुखशंभू कांदक्ष ॐ शंभू वामक्ष ॐ शंभू दा
दक्षबाहू ॐ शंभू वामबाहू ॐ शंभू दक्षकूर्च ॐ शंभू वामकूर्च ॐ शंभू दक्षमणिव ॐ शंभू
वाममणिव ॐ शंभू नंदक्ष हस्तनखा ॐ शंभू वामहस्तनखा ॐ शंभू दक्षहस्तनखा ॐ शंभू वामहस्तन
ॐ शंभू दक्षकक्षी ॐ शंभू वामकक्षी ॐ शंभू खींचव ॐ शंभू कांनारी ॐ शंभू गुच्छ ॐ शंभू किंमूलाधर ॐ शंभू
विंदक्ष ॐ शंभू किं वामजंघ ॐ शंभू विंदक्ष ॐ शंभू विं वामात्र ॐ शंभू दक्षगुच्छ ॐ शंभू वामगुच्छ ॐ शंभू
दक्षपाद ॐ शंभू वामपाद ॐ शंभू दक्षपादनखा ॐ शंभू वामपादनखा ॐ शंभू ॥ अथ ध्यानं ॥ यद्भक्तो
यद्युक्ता वा यद्गुणानिलया वच्चा कण्ठारा नरे नृप दामो यत्कमलपत्रविभूता तीव्रवर्गगतिरादी ॥ विष्वा
क्षी वा वृषा यत्पुनरुय कृद्गुणानुद्वहृष्टि दवीधी कृत्तिका ख्यातिशुवननमिता यादुर्मा यद्युयुक्ता ॥
ॐ निष्कालावधुमावने ॥ ॐ शंभू किं निशिवं कांक्षयैकं शंभू यत्कृद्गु ॥ ४ ॥ ॥ करसाधने ॥ नंजनमा
रुगवगीहलकमलायैकांक्ष दयाय नमः ॐ शंभू कृत्तिकायै कलदीयायै कांक्षि नमः स्वाहा ॐ शंभू कांक्षि वच्चा

[illegible]

[illegible]

वर्क ॥ वनाहयकनादवी अतिमादिकसिद्धय ॥ षडङ्गनासमूर्ति ॥ महायायवनागयत् ॥ ॐ तिष्ठताम
सुत ॥ ॥ जहो हर्वहतायदयाय नमः ॥ जहो अरुतनामालिनीहकिनिमसखाहा ॥ जहो अरुतनावद
नीअनादिवाधमिखायेवोषट् ॥ जहो वज्रिनीवदधनायसुमककवनायदु ॥ जहो तौदनिमसअरुतनाकि
॥ सहसुतनामिकनैवगयायेवोषट् ॥ जहो नमसुख्यअरुतनाकि ॥ जहो मदायाद्युपनामायसहमादा
यदुहट् ॥ एवकनयासुख्योत् ॥ ॥ अथाङ्गनासमूर्ति ॥ जहो मूर्धनीयादुकी ॥ जहो ललाट ॥ जहो मुख
॥ जहो हृदय ॥ जहो नास ॥ जहो आभय ॥ ॥ जहो हृदयाय नमः ॥ जहो निमसखाहा ॥ जहो निखा
येवोषट् ॥ जहो कवनायदु ॥ जहो नगायवोषट् ॥ जहो अरुतनायदु ॥ तथेवकनयासमूर्ति ॥ मनु ॥ जहो अरुति
लषडङ्गनाययादुकी ॥ ॥ वलिभाजमहायाधिमहायायनागनमिदनेवयवलिङ्गनाखाहा ॥ मूलषडङ्ग
मन्त्रानामतिमादिकसिद्धिद ॥ महायाधिमहायाय न्यासमार्गनागधर्म ॥ ॐ तिमूलषडङ्गनासमूर्ति
॥ ॐ तिष्ठतामनन्दवस्यवन ॥ कमलयुगलुवागिनधी अजितानन्ददवनसंग्रहसमयवदनीमीमहा

यीं ३॥ जडुं गान्धेयमिनिनामालायीं ३॥ अवंचामधुमे एनीय ननु ३॥ अवंचियदगने ननु या ३॥ अवंचं
नानाय (धे) कर्णद्वय ३॥ जडुं मादुनोदकिण कर्णद्वय (धे) ३॥ जडुं युद्धाये वाम कर्णद्वय (धे) ३॥ जडुं युद्धाये
क्षेता गायुद्वय ३॥ अवंचि (धे) वकुमधुलं ३॥ जकं ककुदये दंष्ट्राद्वय ३॥ अवंचं कालिकाये उद्धद नयकी
३॥ जगं गिवाये अ (धे) दन्तयकी ३॥ जयं याखाये उद्धाष्ट यादूकी ॥ जदं वीनाये अ (धे) ३॥ जडुं मायादये
जिह्वायी ३॥ जडुं वागम्यये वावायी ३॥ अवंचि विवाहनेक (धे) ३॥ जडुं तीव (धे) दकिण क (धे) ३॥ जयं वा
यूवगाये वाम क (धे) ३॥ जडुं लामाये ददुवाही ३॥ जडुं विनायके वाम बाही ३॥ जडुं युद्धिमाये दस्त गलया
३॥ जडुं मंजु वि (धे) दकिण क (धे) ३॥ जडुं कदने वाम क (धे) ३॥ जडुं दीयने गूलद (धे) ३॥ जडुं
जयने गूल (धे) ३॥ जडुं कयातिने वाम क (धे) ३॥ जयं यावने ददिम (धे) ३॥ जडुं अन्विकाये याव (धे)
३॥ जडुं यनाये दयाननि ३॥ जडुं अंका गले दकिण क (धे) ३॥ जडुं अंका गले दकिण क (धे) ३॥ जडुं अंका गले दकिण क (धे)
नयादूकी ॥ जडुं आमाद्ये नली ३॥ जडुं अंका गले दकिण क (धे) ३॥ जडुं अंका गले दकिण क (धे) ३॥ जडुं अंका गले दकिण क (धे)

नितम्ब ३॥ जं कं स माय प्रये युक् ३॥ जं शं गु काये ग लु या ३३॥ जं नं ना नाये उ द्वा ३॥ जं नं शं ने द रु जा नू नि ३॥
जं नं वि या ये वा म जा नू नि ३॥ जं जं ग य गु द रु जं घा यी ३॥ जं उं स वि शी वा म जं घा यी ३॥ जं दं द ह ने द रु ग य
द ३॥ जं रुं रुं द्वा रि ल्पे वा म या द या दू कां ॥ ॥ म रु ॥ नै जं न्गु मा लि नी द वी या दू कां ॥ ॥ व लि ॥ नै जं ग स
ह ला दि म दा या म क ना ग न नि दं ने व यं व लिं ग रु २ स दा स ॥ ॥ मा लि नी या स रु ल ॥ य था व द्दि स म
दू रं गु क का रु च नि दं रुं ॥ त थ म वा वि या या नि मा लि नी द दं रुं ॥ मा लि नी या स मा रु ल ॥ ग
ह ला न ग रं रुं ॥ ॥ नि मा लि नी या स मा ॥ न रुं ग रुं वा नि या स मा ॥ नै जं न्गु शं गु या य या दू कां ॥ जं न्गु
ग रुं ने ३॥ जं न्गुं ग य मा य ३॥ जं न्गुं शू ना नि का य ३॥ जं न्गुं क नि षि का य ३॥ जं न्गुं क र न ला य ३॥ ए व
क म ग द द या दि या स ॥ ॥ न गी धा वी ॥ गं ख नू कू द सी का र्णं ए क व रु जि ला च नी ॥ जं न म कू ट कं व
धा ख ए नू कू न ग ख नी ॥ सो म नू न ख नू यो जं व न मा ला व ल मि री ॥ गु व वृ षा य रि षि च्छा द म र त्ना दि
ह वि री ॥ रि गू लं डि डि मि री व ध जा कू डी ध री ग था ॥ रि द धी ख य री म रुं व री द रु ग स र री ॥ नी ला य

ज ३

लसनलैवयसुकैयधुमवव। मीखवकुगदाहसी। रयैवामनधाविनी॥ हेववगदनामिधुमदायातकना
गनी। वक्रहाकलुखैगभव। अकनमाकदायकी॥ ॥ॐ निधुमदागदनामिधुमदा॥ ॥ नै। अं। धी। क। ध। म। या
ललाटयादकी॥ ॥ अं। अं। न। का। य। व। कु। म। धु। ल। ॥ ॥ अं। ॐ। ह। मां। य। द। क। न। ॥ ॥ अं। ॐ। नि। म। क। य। व। म। न। ॥ ॥ अं। उं।
अं। म। वा। य। द। क। क। ॥ ॥ अं। उं। अं। धी। म। य। व। म। क। ॥ ॥ अं। मं। र। ल। ह। म। य। द। क। न। सा। य। ट। ॥ ॥ अं। अं। नि। ध। य। व। म। न।
सा। य। ट। ॥ ॥ अं। ॐ। ह। न। वं। द। क। ग। ॥ ॥ अं। ॐ। ह। मां। य। व। म। ग। ॥ ॥ अं। मं। धी। म। य। अं। ध। द। न। य। कौ। ॥ ॥ अं। नै। र। ति
का। य। उं। दं। द। न। य। कौ। ॥ ॥ अं। उं। स। या। जा। ग। य। अं। ध। नं। ॥ ॥ अं। उं। अं। न। य। धी। म। य। उं। ॥ ॥ अं। अं। य। व। य। न। ल। म। ॥ ॥ अं। ॥
अं। अं। म। दा। स। ना। य। जि। दा। यी। ॥ ॥ अं। कं। का। ध। य। द। क। क। ॥ ॥ अं। खं। वं। ध। य। द। क। वा। द। ॥ ॥ अं। गं। यं। वं। ध। य। द। क।
म। वि। वं। ॥ ॥ अं। धं। नि। वा। ल। मा। य। द। क। क। ॥ ॥ अं। कं। कं। न। य। य। द। क। क। ॥ ॥ अं। लो। ॥ ॥ अं। नं। कं। मां। य। व। म। क। ॥ ॥ अं। ॥
अं। कं। कं। नं। य। य। व। म। वा। द। ॥ ॥ अं। जं। कं। उं। वा। न। ना। य। व। म। म। वि। वं। ॥ ॥ अं। मं। अं। नं। य। व। म। क। ॥ ॥ अं। नं। ॥
मां। य। व। म। क। नं। गुं। लो। ॥ ॥ अं। टं। सां। मं। य। य। द। किं। लो। कं। ॥ ॥ अं। लो। ग। लि। नं। दं। किं। लो। वा। नं। ॥ ॥ अं। उं। जं। मं। नं। दं। कं।

[illegible]

५१

[illegible]

लखवो लंबादवा विवक्रिका। तलसया स्तिरुवा मी। दंडकया ललासुवा। सुदकम लुमालानि। बाधुचमो
 शुकावृणा। कृष्णं दुर्गं मुखं म। हीनं द्वितीयकं यूनशा। वामं धनं यखदी गी। दाह्यो मदीया गजो॥ गिरादूनी
 ॥ २॥ मूर्ति कृष्णं खड्गं गजो। गिनं गं गवयक क॥ गिरादूनी॥ ३॥ यीनार्यं मस्वानोडा। खदी लम्बादवा गव
 । खड्गं गवयक क॥ वरीव विजुगी नव॥ रुलं वायवा गकाद्वा। रयं वामन विजुगी॥ कवचदूनी॥ ४॥ नरुदू
 नीमता वरु वकाल लिग विग्रहा। वनं गवयक क॥ वामदक्षिण विजुगी॥ नरुदूनी॥ ५॥ सुनका वरु ख
 दी गी। वामक वरु विजुगी। उल्लालयनी वरु वदक्षिण मूक क गिनी॥ जिनादिग मवरा कान। यदानियठमं ५८
 वृणा। अस्त्रा रुवरा रुवा मी। दंडकया ललासुवा। गिनं गसर्वदावेया। गुडयल्य गिरामता॥ अमृदूनी
 ॥ ६॥ ॥ जंजं श्री गुहाय वादकी॥ ७॥ जीनं जीनी॥ ८॥ जंजं मभ्रमाय ३॥ ९॥ जंजं अनामिकाय ३॥ १०॥ जंजं कनिष्ठि
 काय ३॥ ११॥ जंजं कवगलाय वादकी॥ ॥ १२॥ वरु उरु गसं रुता॥ ॥ मरु॥ १३॥ जंजं वरु गी। वरु गी दवी। गी वाद
 की॥ ॥ १४॥ वरु ली। १५॥ जंजं वरु गी। गुरुय कामनार्थं नूदं न वरु वरु गी रुता॥ ॥ वरु गी गी रुता॥ ॥

दयादिरुलीचेव. गुरुणां हयनामिनी। मनुसिद्धिरुलीदाना. सर्वपापहर्यंकना। माहनी सर्वतनुनि. सना
दयादिरुलीनद। स्वतनुा सर्वदाशुखा. सर्वयुधविमर्दनी॥ जाकिनीदवगभर्वा. यरुहगविगावका॥ सर्वद
ष्टविनाभय. यद्रुमीयासनदुत॥ ॥ नूनिषद्रुमीयासभा ॥ गतावलयेवक्यासभा ॥ जं लूं अं उष्टाखीन
मभा ॥ जं लूं गं नीलीनमभा ॥ जं लूं मधुमाखीनमभा ॥ जं लूं मूनामिकाखीनमभा ॥ जं लूं कनिष्ठिकाखीनमभा ॥ जं
लूं कनकलाखीनमभा ॥ एवं हदयादिषडङ्गयासभा ॥ ॥ आनी ॥ ॥ धर्मयोगतथात्रकं कुर्युनीलेवयेवमी। येव
मृङ्गाटकायतं. मधुसूचयदीविनी ॥ नकहानकदीकारु. मदिगार्कसमयतं। हिमकन्ददूरीकार्ग. क
पूजीमृतसंनिर्ग ॥ नीलाञ्जनसमयखी. ददीयीनमहुसुवत ॥ गकमधुगगागकि. विदुयायवमाक
ला। नयासहिगमात्मानं. लासीरुनं विचिकयत ॥ ॥ नूनिषावाग्यसुत ॥ ॥ जं जं लूं वलनगगन
लाकगर्गममिनीगगनामृगगगनानन्ददव. गगनाम्बावदुष्टवष्टिकाटियागिनी. स्वामिनीआज्ञायेशी
कूटिकायेयादकी ॥ ललाट ॥ ॥ जं जं लूं वलनखर्गलाकगर्गममिनी. स्वर्गनगल्वर्गनन्ददवस्वर्गमा

अन्

[illegible]

दाहं सुदीपितं। दंष्ट्रकनालत्रोदयः। चिंगमर्दं वक्रलाचनं॥ दिवा वल्लेः कृतमालाः। आयादतललमिता।
वाउवानलमध्वरुं। स्वर्गकानन्दनन्दिनी॥ वाउवानलयाचनं। उन्नतश्याममधुल। वाउवन्तुया
। गनः। निरावायसिध्दति॥ एवमस्य स्यात्मानस्य। नवात्मानन्दरोचनं॥ ॥ॐ निष्प्रायन्मम॥ ॥
जुंजहं निखायीयादूकी॥ जसं गिरसः॥ जकंललाट॥ जमं मुख॥ जलं हृदय॥ जवं नासो॥ ज
वं गुच्छं॥ जयं जानो॥ जजुं यादयाः यादूकी॥ जल्लं यादयाः॥ जयं जानो॥ जवं गुच्छं॥ जवं नासो॥ ३०
॥ जलं हृदय॥ जमं मुख॥ जकंललाट॥ जहं गिरसः॥ जसं निखायीयादूकी॥ यूनवचिव॥ ॥
जुंजहं निखायीयादूकी॥ जसं गिरसः॥ जकंललाट॥ जमं मुख॥ जलं हृदय॥ जवं
वं नासो॥ जवं गुच्छं॥ जयं जानो॥ जजुं यादयाः यादूकी॥ ॥ मन्त्रः॥ जुंजहं
ववानन्दवीराप्रियमयम्भूतिं नवात्मायादूकी॥ ॥ वलिभानं जमं नूतुत्यादिया नूति यदुयार्थं॥ द
नेवयं वलिगृह्ण २ स्थाहा ३॥ ॥ नवात्माया सरुनी॥ नवात्मानमयं न्यासी॥ गृह्ण २ वीरगनायिका॥

[illegible]

५९

[illegible]

जों श्रीगुहाया नमः॥ जों यनमघान जों तर्जनीया ॥ जों धान वृषदू नमः॥ जों धाना मुखी जों अना
 मिकाया ॥ जों तीमजों कनिष्ठिकाया नमः॥ जों तीषा वद किं कनाया नमः॥ जों वम वाम कनाया नमः॥
 जों विवह कृष्ण कनकलाया ॥ ॥ गणेश वद दयादिषु उद्ग्रासः॥ ॥ श्री नमः॥ ॥ अथ यद्वास्ति मीहिं ह. न कव
 र्क उजादकं। नीलवर्णं महागजः। त्रिनेत्रं दिशूयकं॥ गकिद उद्ग्रासू धीव दद कन विधा त्रिगी। गृणिग
 दान थाचक अरि वाम कनायधं॥ मृगुय स्कुदिरु यंच. व्यासं धाना मुख कंधरी। बाल हलायनं कानि जूणी
 यकले धानि धिः॥ अयुना नाग्यं मेधयं. सर्वद्विजना गनी॥ ॥ ॥ निष्ठा त्वा च सम॥ ॥ जों धान वृष
 धान जों हों अथायाय गिव स पादकां॥ जों वृष वम धान वृद्धं हों यनमघा राये मुखे यादकां॥ जों वधा
 वृषदू हों धान वृषाये ह दय ३॥ जों वधान मुखी हों धान मुखे या नाको ३॥ जों रुद्र तीम हों तीमा
 ये दकि वरुज ३॥ जों दू तीषा वद हों तीषा वम ये वाम रुज ३॥ जों दू ह वम हों वाम नाये दकि वम व
 यादी युति ३॥ जों रुद्र विवह हों विवनाये वामा वृषादी युति वृषादकां॥ ॥ मनु॥ जों अधान वं जों यनम

धावदूधानवूयहृद्यावामखिलीमलीवधवमरुट्यादूकी॥ ॥१॥ वलिशांनं॥ सर्वविष्टद्विगमहा
यागकनागनं॥ दंनं वयं वलिगृह्ण २ स्वाहा॥ ॥ धानिकाष्टक्यासरुली॥ आत्माधाराष्टकं निखं यं वया
नकनागनं॥ आनिसिद्धिकनं निखं ग्रहायस्मात्तकय॥ सर्वदाययवधनि सर्वयाययमावने॥ आय
४ कामधियं दाना सर्वविष्टनिवावर्ण॥ ॥१॥ निधानिकाष्टक्यासु॥ ॥१॥ निधीअननानन्दद
वस्यववकमलयगलवागिनधीअजितानन्ददवनसंग्रहसमञ्जयदुर्गधीमहाकुमारचनवरुद्धगंशक
ल्य॥ १४॥ ॥१॥ तन्निखिखुआयासु॥ ॥१॥ सर्वजीवनिश्चयगुहाश्रीनमः॥ ॥१॥ उद्वकं गितऊनीश्रीनमः॥ ॥१॥
लितगिखमधुमाश्रीनमः॥ ॥१॥ मायार्जेलाकनयसुहसुयविवृकिनाअनामिकाश्रीनमः॥ ॥१॥ गानकादकनि
ष्टिकाश्रीनमः॥ ॥१॥ मानविश्कनतलाश्रीनमः॥ ॥१॥ निकरन्यासु॥ ॥१॥ गगावकुंयासु॥ ॥१॥ नं॥ नभारुगवति
उद्वकंयादूकी॥ ॥१॥ यिअलकुवयूवकुं॥ ॥१॥ विष्टगदंष्ट्रदकिवकुं॥ ॥१॥ कुद्वं॥ ॥१॥ सगानितसुतासुव
यिअलकुवकुं॥ ॥१॥ हस॥ ॥१॥ यिअमवकुंयादूकी॥ ॥१॥ निवकुंयासु॥ ॥१॥ गगाददयादिन्यासु॥ ॥१॥ सर्वजी

[illegible]

नकं ॥ उर्ववाङ्महागंज दद्यान्नननिनीकं । दिद्यवस्तुनादवी नानायथायगारिगा ॥ ददीयाकामहा
दवी माहवक्तस्यमधगा । शिखधुयनमधनी मयनसर्वयागकेगा ॥ ॐ निष्ठावाचस्तथा ॥ ॥ अङ्गमा
सठा ॥ ॐ जं उं रं ग वं नं नृदायकं याद द्रुष्टया ॥ यादूकी ॥ जनमग्नामू ॥ ॐ याद नलया ॥ ३ ॥ जनमग्नाकाग
माह ॥ ॐ यादया ॥ ३ ॥ जनमः सर्वार्थसाधनीनी ॥ ॐ सुखया ॥ ३ ॥ ज अङ्गमा मनी ॥ ॐ जं दया ॥ ३ ॥ ज सर्व
जायनिहतगमीनी ॥ ॐ जावा ॥ ३ ॥ ज सव्ययननूयय निवर्तनीनी ॥ ॐ उवा ॥ ३ ॥ ज सर्वसत्त्ववगीकन ॥ ॐ द
नामूलनसमस्तकर्मय निवृत्तानी ॥ ॐ यानो ॥ ३ ॥ ज सर्वमाह ॥ ॐ दयं यनमसिद्धिदं ॥ ॐ नाहिव ॥ ३ ॥ ज यन
मकमोदकनसिद्धिकन ॥ ॐ युक् ॥ ३ ॥ ज माह ॥ ॐ वनगुहं लिङ्गयादूकी ॥ ॥ ॐ निवदखधुयासठा ॥
मतामाह ॥ ॐ यथासठा ॥ ॐ जं उं जं अद्या न अमाद्य विमल वरद वृक्षाणी विञ्चनमः दययादूकी ॥ ॐ जं उं जं
अद्या न अमाद्य विमल वरद मादध्वरी विञ्चनमः क ॥ ६ ॥ ॐ जं उं जं अद्या न अमाद्य विमल वरद कीमप्रीवि
ञ्चनमः गालुनि ॥ ॐ जं उं जं अद्या न अमाद्य विमल वरद वैष्णवी विञ्चनमः वक्ता ॥ ॐ जं उं जं अद्या न अमा

[illegible]

[illegible]

आसनं यागी. स्तिवकायश्चिर्वनश दत्वा पाठगन्नासं व. सुखाधी गुण्या दूकीं ॥ आ वू अ वू उ ती ग कि. न ति स
 अस्त वू यिधी ॥ अ वू अ वू उ ती ग कि. न ति स
 नमश्च स्तुतिर्वनसहसंगता ॥ गत्युता यत्न शार्क. गनीर्वचि न य रु नू य स न मन सा द वी. न कि चित्यु विरा
 वयन् ॥ हे वानी खनूया हं. मूया का व रु वं स न न ॥ ए का रु नी म सा द वी. वू उ ती य विरा व य ॥ ॐ ति थ्वा
 ॥ ॥ गता या स ॥ ॥ जं जं नी ना सा य ट द्र य या दू की ॥ जं जं मू र्व या दू की ॥ जं जं नू गु या य या दू की ॥ जं जं स वी स न
 ॥ जं जं क र्ण द्र य ॥ जं जं अ य द द्र य या दू की ॥ ॥ म न ॥ जं जं धीं ध्रुं सो ध्रुं सो ध्रुं धीं ध्रुं जं जं ए का रु नी या दू की
 ॥ ॥ व लि ॥ जं जं ए का रु नी दू र्व स य म हा या म क ना ग नी ॥ द नै व र्थ व लिं ग दै र्खो हा ॥ ॥ ए का रु नी या स
 रु ती ॥ ए का रु नी या स न्या स न्या स न्नि र्णै क त व न ॥ यं व या न क म वा ज्ञे ज य या न क ना ग नी ॥ दू र्व स य न ध्रु ग
 त स्य र्ग न्या स उ स मा च न न ॥ ॐ ति ए का रु नी या स ॥ ॥ गता वी ज र्व व क न्या स ॥ जं जं अं श्रीं उ षा य या दू की ॥
 जं जं नू र्णै र्ग ॥ जं जं मू र्व मू र्व ॥ जं जं अं श्रीं उ षा य या दू की ॥ जं जं अं श्रीं उ षा य या दू की ॥ जं जं अं श्रीं उ षा य या दू की ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

नमस्तुते। उक्तास्तनमदवी। यागयद्वाप्तनाशुका॥ हंसवाहनमानुषा। सर्ववयव। शक्तिता। वाग्मी
मूर्तिस्माख्याता। संस्तवस्तनमदवी। ॐ निष्कान्ता॥ ॥ अउं जां वक्रा। धीयादूका॥ अअधान् अमाध
वनदविमलं वक्राधी विञ्चयादूका॥ ॥ श्यामिहति॥ अअअॐॐॐ उउउअमृ००० उनेउउउअमृ००० वां
वीं वूं मुं वूं वक्राधी विञ्चयादूका॥ आवाहनादि॥ यद्ममृडा॥ मूलनवलि॥ अया॥ वूं ह्लाहा॥ मुनि॥
ॐ नि वूं वक्राधी पूजनी॥ ॥ नतामाह ग्वनीयजा॥ नं अकृतास्तनायवादूका॥ ॥ ध्याना॥ ग्वमनूया
रहसी गी दीयमानासूगंजसा। जटाकूटधनादवी अर्द्धदूकत। जयरा॥ तिनतायवदना कर्णम
दाविहविता। नउरुजासलनजा। यीनाननययाधरा॥ काशीनिष्कलवामन दीवमानमहायूध। दक्षि
णवनदादवी अर्द्धदूकत। गुहा॥ दक्षिणयमिताजंघा। वामावेवाननमायिथ। वृषणस्तनमानुषा।
सर्वलक्षणसंयुता॥ सर्वोत्तरवसंयन्ता। माहं गी मूर्तिनूरुमा॥ ॐ निष्कान्ता॥ ॥ अउं जां माहं गीयादूका
॥ अअधान् अमाधं वनदविमलं माहं ग्वनी विञ्चयादूका॥ अकं खं गं घं कं मां मीं मूं मुं हूं माहं ग्वनी ३॥
वूं

श्रीवाहनादि॥ शिघ्रतमूडा॥ मूलं नवलि॥ जाया॥ मूलं स्वाहा॥ मुनि॥ नृनिमाहं भवतीरुजने॥ ॥ नमो कोमा
रीरुजा॥ ॥ जमपूनासनाय ॥ ॥ श्रीना॥ कोमावीरवदादवी नीललाहिनकजसा॥ जटादूटधनादवी अ
यत्वाद्यलम्बिता॥ विग्नाननयनादका यत्नवन्दनिलनना॥ सोम्यचकूतुलदिवी दक्षि॥ एवयलं वि
नी॥ दिशुजा कामलागिया द्वावर्ककधमधुनी॥ म॥ श्रीनामासुतचक्षी समन्तनययाधना॥ दक्षि॥ एव
गदादया नानातलविह्विता॥ वामासंगतर्गदया बालमादाय॥ एतर्ग॥ वामाचयतिर्गज्या दक्षया
दानगायिय॥ मयूनवाहनादवी सर्वोत्तमोदनीयना॥ श्रीनरुयासुसिद्धाच कोमावीमूर्तिरिद्विदा॥
ॐ नमो श्रीना॥ ॥ जर्जर्जो कोमावी ॥ ॥ जश्धानं अमाद्यवनदविमलं कोमावीविद्ययादूको॥ जचं जं जं मं जं
कोदं श्रीकोमावी ॥ श्रीवाहनादि॥ शिनिस्वामडा॥ मूलं नवलि॥ जाया॥ कुं स्वाहा॥ मुनि॥ नृनिमाहं भवतीरुजने॥
पूजा॥ ॥ ॥ नमो वेवूवीरुजने॥ जगन्मूठासनाययादकी॥ ॥ श्रीना॥ वेवूवीरुमदानजा दधुवधुवधुवधु
जा॥ मूदुदं नविचिरं जटादूटं नमधुता॥ कर्णकूतुलसंयुक्त विग्नाननयनागुला॥ कुन्ददुमस्ववधुला

कैवर्षीवासुष्मरुता॥वनदावकुदासुवागदाकैवर्षराघव॥सर्वलक्षणसंयुक्तंवनमात्राविरुचिगा॥वा
मानतमदंशानिदक्षिणवर्षविगा॥सुयक्ष्णसुमहादवीदिवाएवविरुचिगा॥वृक्षाकाशान्नतयीन
गजकंशायमाधुता॥दावकयुव॥हाद्यावेयुवीसुक्तिनूतमा॥ॐनिश्चान॥॥अंजंजीवेयुवी३॥अश्रु
धानंअमाद्यवनदविमलवेयुवीविच३॥अटं०उंटं०वौवीवूंवावूंवेयुवी३॥आवाहनादि॥यक्षमूडा
॥मूलनवलि॥जाया॥वृंखादा॥सुनि॥ॐनिवेयुवीयुजा॥॥३॥निगावावाहीयुजा॥अमहिषासुनाय
३॥॥अन॥वावाहीवेमहाधाना॥नीलजीमूतसन्निहा॥उड्डूटधनोदवी॥अध्वराद्यायलम्बिगा॥कर्मकृ
तसूयन्दूदीद्यास्यगुक्कनानना॥दक्षकनालदीकावयीनान्नयथाधना॥कार्यवामनसंयुक्तामीनवेदक्षिण
करं॥लेखादनावृहत्कृती॥कालकावाल्कटासना॥सर्वलक्षणसंयुक्तं॥सर्वलक्षणसंयुक्तं॥घट्टनानादगम्हीना
महावनपनाकमा॥वावाहीकथितासुक्तिवीकाखल्यदायनी॥ॐनिश्चान॥॥अंजंजीवावाही३॥अश्रुधानं
अमाद्यवनदविमलवावाहीविचयादकी॥अनंथंदधनंवांवीवूंवावूंवावाही३॥आवाहनादि॥कालमूडा॥नू

सुनवलि॥ जाय॥ सुं स्वाहा॥ सुति॥ ॐ नमो नारायणाय॥ ॥ नमो नारायणाय॥ ॥ अर्चुना सनाय॥ ॥ श्री॥
हं माहात्म्यदीकात्र॥ यद्गुणवदनाष्टका॥ विष्णुलनयनादिका॥ कर्णककुलरुचिना॥ ऊटादूटावितादवीकि
श्रीटकुतलघना॥ चतुर्भुजासदागता॥ यीनान्नगयथाधना॥ धनुश्चर्मधरावाम॥ अस्त्रिवायधरायत्र॥ दक्षिणा
त्राजंघ्रात्र॥ वामजंघ्रायलीविता॥ मरुवात्रलमात्रूटा॥ दिव्यत्रयासदावला॥ सर्वलक्षणसंपूर्ण॥ सर्वाष्टवर्ण
विता॥ ॐ नारायणाय नमः॥ सीमात्रमाहनीसदा॥ ॐ नमो नारायणाय॥ ॥ अर्चुना सनाय॥ ॥ अर्चुना सनाय॥
वत्रदविमललेन्द्राणीवित्रं॥ अर्चुना सनाय॥ ॥ अर्चुना सनाय॥ ॥ अर्चुना सनाय॥ ॥ अर्चुना सनाय॥
सुनवलि॥ जाय॥ सुं स्वाहा॥ सुति॥ ॐ नमो नारायणाय॥ ॥ नमो नारायणाय॥ ॥ अर्चुना सनाय॥ ॥
श्री॥ वामेष्टाचतुर्वदना॥ कोटवाकीसूरीवला॥ दक्षिणकरालवदना॥ दक्षिणकिशुकादला॥ ऊटादूटाधरा
दवी॥ कर्णमूलायलम्बिनी॥ निर्माहात्म्यायसीदीका॥ खल्लायादलमधरा॥ लम्बकनायष्टकीगी॥ शिवजानूयविहि
ता॥ काशीविष्णुलमूलाय॥ वामरुचवित्राजं॥ कर्णकाउमत्रयागी॥ दक्षिणनकरायना॥ मूलायलामहादीका॥

[illegible]

[illegible]

धियनयम्भुं धीनिखासुन्दमहाह्ववाययादूकी॥ ॥ अम्भुं खगकिथीयादूकी॥ वलि॥ उंय वृजानुव
 कम्भोम्भुं वृदहाननिवासिनः सोम्यान्वेवयुयकचिः सो वृ माहाननिवासिनः॥ मानवावृदवृयाग्य
 गधनामधियाग्यथ॥ विधिरुगासुधवाग्यादिविदिहसमागिगा॥ सर्वसुपीमिमनसः युनिगृहनुम
 वलि॥ हंखुन्दह्ववायवलिगृहसुखादा॥ अवाहनादि॥ वराहयमडा॥ जाय॥ कोखादा॥ मुनि॥ ॐ
 निसुवृन्दयुजा॥ ॥ मनामहाकालपूजन॥ जयमासनाययादूकी॥ जयमासनाय२॥ ॥ श्रीनी॥ महा
 युनसमावृट् वकृदयुसुनजर्सी॥ एकास्यगिलाचनेहीमं वववाधनिवावृहा॥ विंशतैरुलसत्कंभीमहा
 कायमहादनी॥ बाधुवर्मयनीधानं गजवर्माहनीयकं॥ वलस्यार्थलंकारं नृपुत्रीदिव्यरुषिगं॥ खमरुं
 टकयागानि॥ विन्दुयद्वाहुरुहकं॥ विद्युत्काटिमहागजं कवचमहावरुषिगं॥ युक्तविष्णुसूत्रं न्यानी॥ मित्र
 साधुदयादूकी॥ ॥ अग्निवासवरुत्कारं गृहालूकनवाकूलं॥ हनयं गयिगचानां॥ किंकितानवसंकलं॥
 समानं वमहावोदं॥ यागिनीगणमधुनी॥ नृपमानं महादर्वं॥ लाकानीहिमकावकं॥ नमामिध्रीमहाकालीं

वर्वतुवनध्वरी। यः यः १० वृक्षयादायि गङ्गा गविना गनी ॥ सर्वसिद्धिमवाप्नोति सदा विजयवर्द्धनी ॥ ॐ निष्का
ना ॥ ॥ श्रीयाज्ञः लि ॥ ॐ नमो ममदाकासाय सर्वगङ्गाय मदनोयमदाहे ववाय ३ ॥ ॐ नमो मदाकालाय ३ ॥ श्रीवा
हनादि ॥ ॐ नमो मदा ॥ मूलं नवलि ॥ जाया ॥ नमो मदाकालाय स्वाहा ॥ मुनि ॥ ॐ निमदाकालयुजनी ॥ ॥ नमो ३ ॥
गुप्तजनी ॥ ॐ यन्मासनाय ३ ॥ ॐ गवासनाय ३ ॥ ॥ श्रीने ॥ यन्मासनसमानुदं कृष्णवर्णं वयुर्जु ४ ॥ ॐ कवर्कं पि
नर्गव स्वर्णवटकधनिर्ग ॥ विन्दुमदाकन ४ ॥ मूलमाला विरुषिग ४ ॥ ॐ श्रीलामदाकनं वल्लहासहिर्गय
ज ॥ ॐ निष्का ॥ ॥ श्रीयाज्ञः लि ॥ ॐ नमो मदाकासाय सर्वगङ्गाय मदनोयमदाहे ववाय ३ ॥ ॐ नमो मदाकालाय ३ ॥ ॐ श्रीवा
हनादि ॥ नमो मदा ॥ जाया ॥ नमो मदा ॥ मुनि ॥ ॐ निमदाकालयुजनी ॥ ॥ नमो ३ ॥
श्रीधरगङ्गाय स्वादि ॥ ॐ सिद्धासनाय ३ ॥ ॐ महिषासनाय ३ ॥ ॥ श्रीने ॥ श्रीधरगङ्गाय स्वादि ॥ ॐ सिद्धासनाय ३ ॥ ॐ महिषासनाय ३ ॥
नामदा ॥ कयालरुटकं यागी दय्यं नमो मदा ॥ धर्मं उमत्रु कं मदी वामहर्ष विरुगी ॥ गङ्गाय मज्जली
ली स्वर्णवटगमं दूरी ॥ वजा ३ ॥ नमो मदाकासाय सर्वगङ्गाय मदनोयमदाहे ववाय ३ ॥ ॐ नमो मदाकालाय ३ ॥ ॐ श्रीवा
हनादि ॥ नमो मदा ॥ जाया ॥ नमो मदा ॥ मुनि ॥ ॐ निमदाकालयुजनी ॥ ॥ नमो ३ ॥

[illegible]

निकायननी ॥ ॥ नतः कर्मोर्ध्वनी ॥ वकाद्वानशाम ॥ निमुअत्तुसुगितयवृत्तयूगं वाहयतुं श्रीरु नदा
कवाष्टर्गं गयूनवहिकमलं भाठभाप्रदिताय । आधायद्वानयूगमवनवृत्तकव ॥ सायकात्तासमं नः मध्याङ्ग
कर्मवक्तुं गुरुसुतदधर्गं संपदानकलुङ्गी ॥ ॥ त्रंज आधाय नः कथादि ॥ अयं वयमासनाय ॥ अगवाप्त
नाय ॥ अगवाप्तनाय ॥ अहिंसासनाय ॥ अज्ञांस्वाहावद्विमुगासनाय ॥ ॥ श्री ॥ नीलं यं नानानृत्य
मर्द्धययं कुरुंस्तिगभादि वषट् वषट् दगीया ॥ नत्तस्योस्ति वच्चिगभा वद्विनासिगिगीराज ॥ कृष्णीगुष्ठनिरेव
यशकटालानागवाद्यां गु ॥ कोचीकटिमुदास्यवान् ॥ विष्णुगुलवकुधजा ॥ दानं वदकवाद्रुहि ॥ यात्रिजार्ग
जायमाला ॥ युककाहयककलेभा ॥ आनदाद्रुदयालीव ॥ कवर्मावृत्तविग्रहा ॥ दवावृत्तगमनं च ॥ सदेवसीत्ति
नानवशा ॥ ॥ यहीगददुग्गमाणां ॥ अर्थनरं कुमाद्रुव ॥ गुलासर्वतल्लारु ॥ यकाभायाक्याहवन् ॥ धजा
याताकगमित्वं ॥ नादासर्वरुगाहवन् ॥ सस्त्रीलारु ॥ यात्रिजार्ग ॥ मरुसिद्धिमुजायन ॥ यावत्सर्वरुगायक ॥ त्व
हयं निरुयं लुकग ॥ अकवायतिवाधने ॥ सक्तवृत्तवर्मधि ॥ मरुत्तल्लिगादवा ॥ सस्त्रील्लुत्तव्यगल्यन ॥

[illegible]

करालानि वक्राधूकानि धीरुना ॥ अस्माद्य स्याद्यवक्रामि कृद्विकायामहानिच । दक्षिणायययागन वाममे
वविज्ञानथ ॥ विष्णुसुखकवक्रानि अक्रुष्टावक्रकं । दक्षिणायवामगादया लीलायतेसमावर्क ॥ अन्यैवम
मुखदीग घष्ठायुक्त धनुस्तनूत्था । कपालं वामकं यार्कं सिंहासनं वासना ॥ ॥ गत्वयाकिरेव कुलाचक्राला
याक्याहवन् । वक्रसर्वनागनाग अक्रुष्टाकर्वर्णमनः ॥ गनाचक्रविनाशाय कर्तुं नाविघ्नवर्जनी लक्ष्मीलार
उत्पलन खद्राङ्गदक्षसिद्धय ॥ यावन्मार्गार्थवर्जत्वं घष्ठाङ्गसंयजायते । यावद्वागार्थबाधत्वं युक्ताच्चायार्थमा
वगाशा कयालाञ्जमहासिद्धि वक्राध्वममहासमः । युक्तायादतलं तस्या जघनं विष्णुनूयते ॥ हृदयवसनं नूय
ञ्जीववक्रकं मधुल । सदागिवाललाटस्याऽगिवस्तुस्याय विष्णुगण चन्द्राकर्णयोर्नरुः समानाश्चक्रमधु
ली । सग्नमक्षविधं यद्गुणस्तस्याय विक्लप्ये ॥ स्वाधिविष्णुनं धनं गतत्वं नायं नाशो विविक्तयत्ना न जाह्नदयमध्व
पु वार्यक ध्वयकल्ययत्न ॥ आकाशं तुललाटं च नष्टं सर्वेष्ववस्तिगाशकलकाटि सहसा विष्णुनूटा कल्लमसमं
॥ तस्याः विष्णुविचारं तु दवानामपि दुस्तुष्टं अन्नकयादयास्तस्या नूयन्नेयविकीर्तिर्न ॥ कक्काटाभखलावध

[illegible]

श्रीउदयगिरिवर्तन श्रीकदम्बगुहाश्रीगंविनीम० श्रीकनवीलमग्नश्रीवदकनाथकुरुयालश्रीश्रीदिनाथ
वदकयिधुश्रीकृदिकानन्ददव श्रीकनालमहा३॥म॥ ॥ जंजुं श्रीचन्द्रदीपहीमनाम्नादेवीश्रीसुगन्धी
कुरुयाल श्रीगंविनीमयूगश्रीजालध्वनमहामहाया० श्रीजालाम्नादेवीश्रीजालीगनाथदव श्रीकनालाम्ना
देवीश्रीकूलश्रीगनन्ददव श्रीकूलकालीमहकाविकावृक्ष श्रीहिमगिरिवर्तनश्रीदवीगुहाश्रीमहामन्त्रा
नम० श्रीलालमग्नश्रीयमदधुकुरुयाल श्रीवर्धनाथवदकयदश्रीकृदिकानन्ददव श्रीविकनालम
हायापादकी॥दक्ष॥ ॥ जंजुं श्रीजनदीपकलनीदवीश्रीगनालश्रीदीपययूगश्रीयूगगिरिम
हामहाया० श्रीगुम्नादेवीश्रीयूगगनाथदव श्रीवर्धनाम्नादेवीश्रीवर्धनीगनन्ददव श्रीकूलकालीमहका
विकावृक्ष श्रीविष्णुनीवृक्ष श्रीगुनलगिरिवर्तनश्रीहिदिगुहाश्रीयक्षीम० श्रीश्रीघातमग्नश्रीविमल
कुरुयाल श्रीवर्धनाथवदकरूपश्रीकृदिकानन्ददव श्रीकुरुमहायादकी॥वाम॥ ॥ जंजुं श्रीचन्द्रदीपधम्मा
देवीश्रीमहाकालकुरुयाल श्रीकलियूगश्रीकामरूपमहामहाया० श्रीकामविजयोम्नादेवीश्रीकामी

नाथदवधीमहाकुसुमादवधीमदधीगहनदवधीकूलकालीमहकाविकावृद्धविल्ववृद्धधीसामगि
त्रियवर्तधीउत्तमगुहाधीप्रानन्दम०धीमहागहनधीवृद्धदुर्गयालधीकालनाथवद्रुकनूयानीन
धीकूटिकानन्ददवधीयानिमज्जायादूकी॥श्रु॥ ॥५॥धीवत्तदीपधर्मादवीधीमहाकालकुर्या
ल॥धौधीअवतवयुगधीमहायनायवन्दयी॥१०॥धीवन्दिरीमादवीधीवन्दिगनाथदवधीमार्गगिन्यन्ता
दवीधीमदधीगहनदवधीकूलकालीमहकाविकावृद्धधीयात्रिजगद्वृद्धधीअमृतवन्नीधीमन्त्रगिनि
यवर्तधीजिलागखनगुहाधीवन्दयूरम०धीअवकृष्णगहनधीविजयवधकुर्यालधीधीकलनाथवद्रु
कधीसर्वव्यापिसूक्ष्मीसाम्यानीनधीकूटिकानन्ददवधीखचनीमज्जायादूकी॥यनायन॥ ॥५॥अवकृ
युगभवगानधीयननलक्ष्मीधीगिमाध्याम्नाधीमार्गनीगनाथधीमार्गनीश्रुमा३॥अयनयी॥१॥
॥०॥मिमात्रिकाव्यापिगयवयी॥५॥धौर्वर्त॥ ॥मनःवद्धा॥१॥वपुःश्रुविगर्गिपूजय॥ ॥वद्धा
मस्यवपिमका॥१॥उर्वकृयमसनाय३॥अववृणसनाय३॥अवकृयमसनाय३॥॥ ॥अन॥उ॥उना

जुजादवी. कर्हिकाया लक्ष्मि विधी ॥ जम्बुंघी सामंभवननाथधीला किनी अम्मा ३॥ ३॥ ॥ आना ॥ काकिनी ॥ व्यत
वर्षा. वर्वनाई गिना नूहा. नम्भचदि ॥ जुजादवी. कर्हिकाया लक्ष्मि विधी ॥ जम्बुंघी सामंभवननाथधीला कि
नी अम्मा ३॥ ४॥ ॥ आना ॥ साकिनी ॥ दूधूवर्षा. वर्वनाई गिना नूहा. नम्भचदि ॥ जुजादवी. कर्हिकाया लक्ष्मि विधी ॥
जम्बुंघी सामंभवननाथधीला किनी अम्मा ३॥ ५॥ ॥ आना ॥ साकिनी ॥ नजूरया. वर्वनाई गिना नूहा. नम्भचदि
जुजादवी. कर्हिकाया लक्ष्मि विधी ॥ जम्बुंघी सामंभवननाथधीला किनी अम्मा ३॥ ६॥ ॥ आना ॥ याकिनी ॥ धूम
वर्षा. वर्वनाई गिना नूहा. नम्भचदि ॥ जुजादवी. कर्हिकाया लक्ष्मि विधी ॥ जम्बुंघी सामंभवननाथधीला कि
नी अम्मा ३॥ याकिनी म ॥ ॥ नितिव ॥ साकिनी ॥ ॥ यद्वा ॥ सयूरवका ॥ ॥ ज ॥ व ॥ क ॥ य ॥ द ॥ स ॥ न ॥ य ॥ ॥ ज ॥ न ॥ द ॥
स ॥ न ॥ य ॥ ॥ ज ॥ न ॥ द ॥ स ॥ न ॥ य ॥ ॥ ॥ आना ॥ आधनी ॥ ग ॥ य ॥ न ॥ व ॥ ल ॥ स ॥ लि ॥ ना ॥ व ॥ ज ॥ ह ॥ रु ॥ क ॥ य ॥ य ॥ न ॥ लि ॥
ह ॥ न ॥ ॥ कि ॥ रु ॥ दू ॥ या ॥ य ॥ ज ॥ य ॥ स ॥ दा ॥ ॥ ज ॥ स ॥ ॥ ग्री ॥ आधनी ॥ ग ॥ ना ॥ थ ॥ धी ॥ व ॥ का ॥ ना ॥ या ॥ दू ॥ की ॥ ॥ ॥ ॥ आना ॥ च ॥ की ॥ ग ॥ य ॥ य ॥
म ॥ व ॥ नू ॥ ॥ आ ॥ न ॥ रु ॥ रु ॥ ॥ स ॥ ॥ रु ॥ न ॥ य ॥ य ॥ न ॥ लि ॥ ह ॥ न ॥ ॥ कि ॥ रु ॥ दू ॥ या ॥ य ॥ ज ॥ य ॥ स ॥ दा ॥ ॥ ज ॥ व ॥ ॥ ग्री ॥ च ॥ की ॥ ग ॥ ना ॥ थ ॥ धी ॥ व ॥ रु ॥ अ ॥ मा ॥ ३

॥२॥ आन॥ कूलेगी०४ विंगव० धू० वक्रि० त्रय० विचि० न० य० य० ग० त० हि० व० ४० ग० कि० सु० दू० पा० पू० ज० य० सु० द० ॥ ज० रं० ग्री० व०
त्रै० गी० ग० ना० थ० श्री० क० लो० रो० म्वा० ३॥ ३॥ ॥ आन॥ म० र्द० धी० धू० म० व० धू० र० ग० ध० र्ज० कू० ध० न० र्द० व० ४० य० क० वा० ध० ग० कि० न०
वि० त० दू० पा० पू० ज० य० सु० द० ॥ ज० यं० ग्री० म० द० धी० ग० ना० थ० श्री० म० हा० कू० धू० म्वा० ३॥ ४॥ ॥ ॐ० नि० य० ग० म० धि० य० व० उ० र्क० ॥ ॥
ष० द्वा० ध० म्वा० नि० का० ॥ ॥ ज० व० कू० य० धा० स० ना० य० ३॥ ॥ ज० म० ग० म० स० ना० य० ३॥ ॥ ज० स० स० द० गि० व० य० ग० स० ना० य० ३॥ ॥ आन॥
अ० ना० दि० ना० थ० ॥ ॥ व० न० व० धू० व० न० दा० रु० य० द० सु० क० ग० ग० कि० न० वि० सु० यो० व० ना० सा० र्ने० का० ना० वि० रु० धि० ना० ॥ ज० यं० ग्री० अ० ना० दि० वि०
म० ल० ना० थ० श्री० मा० र्ग० गी० श्री० वा० ३॥ १॥ ॥ आन॥ स० र्व० रू० ध० व० कू० व० धू० व० न० दा० रु० य० या० नि० क० ग० ग० कि० न० वि० सु० यो० व० ना० सा०
ले० का० ना० वि० रु० धि० ना० ॥ ज० स० ग्री० स० र्व० रू० वि० म० ल० ना० थ० श्री० यू० लि० न्दी० श्री० वा० ३॥ २॥ ॥ आन॥ या० ग० ना० ॥ ॥ धू० म० व० धू० व० न०
दा० रु० य० या० नि० क० ग० ग० कि० न० वि० सु० यो० व० ना० सा० ले० का० ना० वि० रु० धि० ना० ॥ ज० यं० ग्री० या० ग० वि० म० ल० ना० थ० श्री० ग० व० नी० अ० म्वा० ३॥
३॥ ॥ आन॥ सि० धि० ना० थ० ४० या० न० व० धू० व० न० दा० रु० य० या० नि० का० ग० कि० न० वि० सु० यो० व० ना० सा० ले० का० ना० वि० रु० धि० ना० ॥ ज० स० ग्री०
सि० धि० वि० म० ल० ना० थ० श्री० व० म्वा० का० म्वा० ३॥ ४॥ ॥ आन॥ स० र्व० रू० ध० धू० म० व० धू० व० न० दा० रु० य० या० नि० क० ग० ग० कि० न० वि० सु०

[illegible]

[illegible]

115

[illegible]

[illegible]

[illegible]

नन्ददव३॥ जघ्रीविमलाये अरुयानन्ददव३॥ जघ्रीकूटिलाये लाकानन्ददव३॥ ॐ मित्ररुनदसुनकययनयूज
 नी॥ ॥ जघ्रीवमये सुमानन्ददव३॥ जघ्रीमनाहाये वमानन्ददव३॥ जघ्रीउमनाये सुयानन्ददव३॥
 जघ्रीमाहाये विजयानन्ददव३॥ ॐ मित्ररुनदसुनकययनयूजय३॥ ॥ ॐ मित्ररुनदसुनकययनयूजनी॥ ॥
 मूलमनु॥ अगकूटदय३॥ अरुयानन्ददव३॥ ॐ मित्ररुनदसुनकययनयूजय३॥ ॥ ॐ मित्ररुनदसुनकययनयूजनी॥ ॥
 सुवदुक गनयागिनी॥ जघ्रीकूटयालाययादुकी॥ अरुयानन्ददव३॥ जघ्रीकूटयालाययादुकी॥ अरुयानन्ददव३॥
 ३॥ वायव्य॥ जघ्रीयागिनी३॥ ॐ मित्ररुनदसुनकययनयूजनी॥ ॥ जघ्रीयागिनी३॥ ॐ मित्ररुनदसुनकययनयूजनी॥
 ॐ नरुनदसुनकययनयूजनी॥ जघ्रीकूटयालाययादुकी॥ अरुयानन्ददव३॥ जघ्रीकूटयालाययादुकी॥ अरुयानन्ददव३॥
 य३॥ जघ्रीकूटयालाययादुकी॥ अरुयानन्ददव३॥ जघ्रीकूटयालाययादुकी॥ अरुयानन्ददव३॥ जघ्रीकूटयालाययादुकी॥
 जनी॥ जघ्रीकूटयालाययादुकी॥ अरुयानन्ददव३॥ जघ्रीकूटयालाययादुकी॥ अरुयानन्ददव३॥ जघ्रीकूटयालाययादुकी॥
 गकि३॥ जघ्रीकूटयालाययादुकी॥ अरुयानन्ददव३॥ जघ्रीकूटयालाययादुकी॥ अरुयानन्ददव३॥ जघ्रीकूटयालाययादुकी॥

तनागकिः३॥ जघीवगिष्ठनाथः अन्धमीगकिः३॥ जघीनिवनाथः गकिः३॥ हिमाययादूकी॥ ॐ गिति सिद्धा
सकं॥ पूर्वोदिष्ठागनाकं पूजयन्॥ ॥ नमः३॥ गगनायकपूजने॥ जजयावहगमगनाय३॥ पूर्व॥ जका
लदधुगमगनाय३॥ दक्ष॥ जकालयागमगनाय३॥ यन्त्रिम॥ जलक्षीवनगमगनाय३॥ उक्तं॥ जधमाव
लगमगनाय३॥ आन॥ जअसितयगमगनाय३॥ निसह॥ जमदलगमगनाय३॥ वायव्य॥ जहगना
थगमगनाय३॥ ॐ गगन॥ जयधवनगमगनाय३॥ निसह॥ अथ॥ जलगमगनाययादूकी॥ ॐ ग
नउद्ध॥ ॐ गगनायकपूजने॥ ॥ नमः३॥ वाक्कपूजने॥ जवनल्य३॥ यादूकी॥ जकवन्धल्य३॥ यादूकी॥ जस
मदल्य३॥ यादूकी॥ जउं श्रीं कैंद्रं वलद्रं जलद्रं धनद्रं सुनद्रं पनद्रं हनद्रं रुनद्रं ३॥ धीकालागिनूदय३
॥ कालाया॥ ॥ जक्षोनिवगत्वाधिकानं यनाथयादूकी॥ जअधानकीं हं३॥ यनमधानं दूधानं वनूयहधा
नामखी॥ लीमलीषलीवम२॥ यिव२॥ वन२॥ वन२॥ रुक्षोद्रं रुद्रविशानत्वाधिकानं यनाथयादूकी॥ जनेंजी
द्रं जोक्षो रुद्रात्मनत्वाधिकानं अयनाथ३॥ ॐ गिम॥ ॥ नमोवकधुक्कुमिधवनलोपूजने॥ नैजसूत्र

[illegible]

ॐ नमः साकाशमाह ॐ सर्वकामार्थसाकिनीनी ॐ अरुणामनी ॐ सर्वशायतिरुतगतीनी ॐ स्रूययव
 स्रूययविवर्तिनीनी ॐ सर्वसत्त्ववणीकर ॥ १॥ ॐ दानान्नूननसमस्तकर्मयवहाननी ॐ सर्वमाह ॐ द्रव्यं
 यत्रसिद्धिर्दं ॐ यत्रकर्मचंदनकरंसीसिद्धिकरं ॐ मातृर्भावननी ॐ हं ॐ यादूकी ॥ ॐ निरुदयव ॥ ॥
 १४० ॥ १॥ १॥ ॥ ॐ अं अघान्न अमाघ विमलवनदवकाणी विव्रनमः ॥ ॐ अं अघान्न अमाघ विमलवन
 वदमाह ॐ श्रीविव्रनमः ॥ ॐ अं अघान्न अमाघ विमलवनदकोमपी विव्रनमः ॥ ॐ अं अघान्न अ
 माघ विमलवनदवेषूवी विव्रनमः ॥ ॐ अं अघान्न अमाघ विमलवनदवानाही विव्रनमः ॥ ॐ अं अघा
 न्न अमाघ विमलवनदन्दाणी विव्रनमः ॥ ॐ अं अघान्न अमाघ विमलवनदवामुविव्रनमः ॥ ॐ अं अ
 घान्न अमाघ विमलवनदग्नीविव्रनमः ॥ ॐ निमाह ॐ व ॥ १४१ ॥ ८ ॥ २ ॥ ॥ ॐ नमः ॐ द्रव्यं
 उद्वेकणी ॐ दलितगिरि ॐ विष्णु ॐ द्रव्यं गावकाक्षि ॐ विंगल ॐ द्रव्यं विष्णु ॐ द्रव्यं २ ॐ मां स ॐ धि
 तसुतासवपिय ॐ हस ॐ नृ ॐ विष्णु ॐ माया ॐ ला ॐ सहस्र ॐ ययविवर्तिनीनी ॐ नृद ॐ गुण २

[illegible]

[illegible]

याये३॥जघीविजयाये३॥जघीअजिताये३॥जघीअयवाजिताये३॥जघीअकनये३॥जघीअकनये३॥जघीमा
हये३॥जघीअकर्मलयेयादूकी॥यूवादि०॥गानाकयूजयत॥ ॥ततअरुदलयूजने॥जअंअंअसितीग
हेनवायअंअघाणीगकिसहिनाययादूकी॥ज००००॥नूनेनवायकंसाहंनरीगकिसहिनाययादूकी॥जउंउंउं
धुरेनवायचंकासारीगकिसहिनाययादूकी॥जअंअंकाधहेनवायवेयूबीगकिसहिनाय३॥ज००००॥अरुहेन
वायनंवावाअंगकिसहिनाय३॥ज००००॥हीषनहेनवाययंनका००००॥गकिसहिनाय३॥ज००००॥कयालहेनवाय
यंवाम००००॥गकिसहिनाय३॥जअंअं००००॥संहानहेनवायनंमहाल००००॥गकिसहिनाययादूकी॥००००॥मिअरुययू॥
॥ततमि००००॥जसं००००॥यादूकी॥ज००००॥अम००००॥यादूकी॥ज००००॥मस००००॥यादूकी॥००००॥मि००००॥मल॥ ॥तत००००॥वाअच
उका००००॥आ००००॥ज००००॥कं००००॥यालाययादूकी॥न००००॥॥ज००००॥मं००००॥मय००००॥ययादूकी॥ ॥वाय००००॥ज००००॥जी००००॥वदूकना
थययादूकी॥ ॥००००॥नका००००॥ज००००॥या००००॥गिनी००००॥य००००॥यादूकी॥००००॥मि००००॥व००००॥का००००॥मय००००॥जय००००॥ ॥तत००००॥००००॥वा००००॥रु००००॥ला००००॥कपा
ल००००॥ज००००॥००००॥यादूकी॥ज००००॥००००॥नय००००॥३॥ज००००॥००००॥माय००००॥३॥ज००००॥००००॥ने००००॥लाय००००॥३॥ज००००॥००००॥व००००॥न००००॥य००००॥३॥ज००००॥००००॥वाय००००॥

[illegible]

वधगति कूट २ मूर्त्तौ मूर्त्तौ रंगवनि अश्वमनुधीनाथ कृद्धि चन्द्र। गखर मूर्त्ती की मूर्त्ती रुट् मूर्त्ती नैर्जो निघोष
धनी महामाय ॐ ॐ ॐ काला मुखिय कलश्य कालय महा समय महा यका तिसर्वे समय गार्ह कूट २
माऊन ऊँ धनी चन्द्र विद्या वनि दूरं रुट् नमः स्वाहा ॥ ५ ॥

MAHAKRAMA RCHAKALPA

६५

आशा भद्रवर्मा	
2230	I